घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 30- रविवार 30- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

संक्षिप्त समाचार

खाने लायक नहीं है पतंजलि का घी! कंपनी पर लगा 1.40 लाख रु का जुर्माना...

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2025। योग गुरु बाबा रामदेव की पतंजलि कंपनी पर घटिया घी बेचने का आरोप लगा है,और इसी मामले में पिथौरागढ़ की एडीएम कोर्ट ने निर्माता और वितरक पर कुल 1.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला 2020 में लिए गए पतंजलि गाय के घी के सैंपल के फेल होने से जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक,अक्टूबर 2020 में लिए गए सैंपल पहले राज्य लैब में फेल हुए। बाद में कारोबारियों की मांग पर 2021 में इन्हें केंद्र सरकार की रेफरल लैब भेजा गया, जहां 2022 में सैंपल दोबारा फेल पाए गए। इसके बाद फरवरी 2022 में केस दायर हुआ और 19 नवंबर 2024 को कोर्ट ने फैसला सुनाया। पतंजलि का कहना है कि कोर्ट ने इन तर्कों पर विचार नहीं किया,इसलिए कंपनी अब फूड सेफ्टी ट्राइब्यूनल में अपील दायर कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि फैसले में कहीं नहीं बताया गया कि घी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है, सिर्फ RM Value में हल्का अंतर मिला है, जो उनके अनुसार प्राकृतिक कारणों से होता है।

अहमद पटेल के बेटे की पोस्ट से खलबली...लिखा-'कांग्रेस तोड़कर एक अलग ग्रुप बनाना चाहता हूं'...

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2025। कांग्रेस के दिवंगत दिग्गज नेता अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस से अलग एक 'नए ग्रुप' की शुरुआत करने की बात कही है, जिससे राजनीतिक हलकों में सरगर्मी तेज हो गई है। उन्होंने ये भी दावा किया कि उनकी बहन उनके साथ आ सकती हैं। हालांकि,मुमताज ने अपने भाई के दावों का खंडन कर दिया है और उसके साथ किसी भी ग्रुप में शामिल होने से इनकार कर दिया है। फैसला की सोशल मीडिया पोस्ट का स्क्रीन शॉर्ट तेज से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने लिखा, 'वे कांग्रेस पार्टी को तोड़कर एक नया ग्रुप बनाने की सोच रहे हैं, जिसका नाम 'कांग्रेस (AP)' रखा जाएगा।' उन्होंने कहा कि उनकी बहन मुमताज पटेल भी इस ग्रुप में शामिल हो सकती है। वहीं, फैसल की पोस्ट वायरल होने के बाद मुमताज ने तुरंत सोशल मीडिया पर सफाई जा कर अपने भाई के दावे को खारिज कर दिया।

अनुच्छेद 370 के हटने से सरदार पटेल का एकीकरण वाला सपना पूरा हुआ : नड्डा

वडोदरा,29 नवम्बर 2025। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को गुजरात के वडोदरा में यूनिटी मार्च में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने सरदार गाथा को संबोधित करते हुए वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता बताया। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज जैसा भारत दिखता है,वह पटेल के राष्ट्र निर्माण के प्रयासों पर आधारित है। जेपी नड्डा ने कहा कि सरदार पटेल को राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में याद किया जाता है,लेकिन उनका सबसे बड़ा योगदान देश को एकजुट करने में था। उन्होंने हमारी प्राचीन सभ्यता के स्वप्न को दो वर्षों के भीतर साकार करने का कार्य पूरा किया। पटेल ने विकसित भारत की नींव रखी। उन्होंने पटेल के व्यक्तिगत त्याग पर प्रकाश डालते हुए याद दिलाया कि वह अहमदाबाद में एक सफल बैरिस्टर थे,फिर भी उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर एक आरामदायक जीवन त्याग दिया। नड्डा ने कहा कि उनका पूरा जीवन जन कल्याण के लिए समर्पित था। चाहे वह आंदोलन हो या सत्याग्रह, वे हमेशा किसानों के साथ खड़े रहे। उन्होंने आगे कहा कि पटेल की नैतिक शक्ति और प्रशासनिक क्षमता ने उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का केंद्रबिंदु बना दिया।

भारत के स्वभाव में झगड़ा नहीं भाईचारा है : भागवत

भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से बिल्कुल अलग, वे नेशनहुड नहीं समझते

मुंबई,29 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा,'झगड़ों में पड़ना भारत के स्वभाव में नहीं है, देश की परंपरा ने हमेशा भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर जोर दिया है।' उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का कॉन्सेप्ट पश्चिमी व्याख्याओं से पूरी तरह अलग है। हमारी किसी से कोई बहस नहीं होती। हम झगड़ों से दूर रहते हैं। दुनिया के दूसरे हिस्से संघर्ष से भरे हालात में बने हैं।

नागपुर में नेशनल बुक फेस्टिवल में भागवत ने कहा...एक बार जब कोई राय बन जाती है, तो उसके अलावा कुछ भी मंजूर नहीं होता। ऐसी राय दूसरी बातों के लिए दरवाजा बंद कर देती हैं। उन बातों को बहस कहा जाता है। भागवत ने कहा कि पश्चिम देश नेशनहुड के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे नेशनलिज्म कहना शुरू कर दिया। राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट वेस्टर्न देशों के नेशन के आइडिया से अलग है। हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह नेशन है या नहीं, यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय

पश्चिमी देश हमारे विचार नहीं समझते

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि पश्चिम देश नेशनहुड के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे नेशनलिज्म कहना शुरू कर दिया। राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट वेस्टर्न देशों के नेशन के आइडिया से अलग है। हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह नेशन है या नहीं,यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से है। उन्होंने कहा कि अगर हम वेस्टर्न कॉन्टेक्स्ट में नेशन की डेफिनिशन पर विचार करें,तो इसमें आमतौर पर एक नेशन-स्टेट होता है, जिसमें एक सेंट्रल गवर्नमेंट होती है जो इलाके को मैनेज करती है। हालांकि,भारत हमेशा से एक राष्ट्र रहा है, यहां तक कि अलग-अलग सरकारों और विदेशी शासन के समय में भी। उन्होंने कहा कि भारत का नेशनहुड घमंड या गर्व से नहीं बल्कि लोगों के बीच गहरे जुड़ाव और नेचर के साथ उनके को-एग्जिस्टेंस से पैदा हुआ है। सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है, यह एहसास जिंदगी भर रहता है,न कि कुछ समय की सफलता से।

अलग-अलग होने के बावजूद हम सब एक : भागवत

उन्होंने कहा कि हम सब भाई हैं,क्योंकि हम भारत माता की संतान हैं। धर्म, भाषा, खाने-पीने की आदतें,परंपराएं,राज्य जैसा कोई दूसरा इंसान का बनाया हुआ आधार नहीं है। अलग-अलग तरह के होने के बावजूद हम सब एक हैं,क्योंकि यही हमारी मातृभूमि की संस्कृति है। भागवत ने ज्ञान के महत्व पर भी जोर दिया। कहा...सिर्फ जानकारी से ज्यादा प्रैक्टिकल समझ और एक मतलब की जिंदगी जीना मायने रखता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को रोका नहीं जा सकता

भागवत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी टेक्नोलॉजी के आने को रोका नहीं जा सकता,लेकिन हमें इसके मालिक बने रहना चाहिए और इससे निपटते समय अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। एआई का इस्तेमाल इंसानियत के फायदे के लिए,इंसानों को बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए।

बंगाल में 8 महीने बाद वक्फ संशोधन कानून लागू

ममता बोली थीं...गोली मार दो,लेकिन धर्म के आधार पर बंटवारा नहीं होगा

कोलकाता,29 नवम्बर 2025। पश्चिम बंगाल में ममता सरकार 8 महीने के विरोध के बाद नए वक्फ संशोधन कानून को लागू करने पर राजी हो गई है। राज्य सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य की 8063 वक्फ संपत्तियों की जानकारी 6 दिसंबर 2025 तक केंद्र सरकार की एमआईडी वेबसाइट पर अपलोड करें। वक्फ संशोधन कानून इस साल 4 अप्रैल को संसद के दोनों सदनों से पास हुआ था। तब पश्चिम बंगाल ने इसे अपने राज्य में लागू करने से मना कर दिया था। सीएम ममता बनर्जी ने 8 अप्रैल को एक रैली में कहा था कि जब तक पश्चिम बंगाल में ममता दीदी है, मुस्लिम समुदाय की संपत्ति की रक्षा करेगी। चाहे कोई गोली मार दे, मुझे एकता से अलग नहीं किया जा सकता। बंगाल में धर्म के नाम पर बंटवारा नहीं होगा। कानून को अदालत में चुनौती दी गई है,लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नए प्रावधानों के लागू होने पर कोई रोक नहीं लगाई। इसलिए कानूनी रूप से राज्य सरकार पर इसे लागू करने की बाध्यता है। केंद्र सरकार का साफ निर्देश है कि सभी अविवादित वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड डेडलाइन (6 दिसंबर) तक एमआईडी पोर्टल पर अपलोड होना चाहिए। ममता सरकार इस निर्देश का पालन न करके कानूनी विवाद में नहीं फंसना चाहती।

जब-जब जुल्म होगा,तब-तब जिहाद होगा : मौलाना मदनी

भोपाल,29 नवम्बर 2025। भोपाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की गवर्निंग बॉडी की बैठक में शनिवार को मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि मौजूदा दौर में इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिशें बढ़ गई हैं। जिहाद जैसे मुकद्दस शब्द को आतंक और हिंसा से जोड़ना जानबूझकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा...लव जिहाद, लैंड जिहाद, थूक जिहाद जैसे शब्द मुसलमानों को बदनाम करने के लिए गढ़े गए हैं। इस्लाम में जिहाद का मतलब अन्याय और जुल्म के खिलाफ संघर्ष है। जब-जब जुल्म होगा, तब-तब जिहाद होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुसलमानों को लगातार टारगेट किया जा रहा है और उनके धार्मिक पहनावे, पहचान और जीवनशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान इस देश के बराबर के नागरिक हैं, लेकिन शिक्षा, रोजगार और सामाजिक बराबरी के अधिकार जमीनी स्तर पर मुसलमानों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई, मॉब लिंचिंग, आर्थिक बहिष्कार और नफरती अभियानों का माहौल बनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कानूनों के जरिए मुसलमानों की दावत और तालीम को अपराध बना दिया गया है, जबकि कुछ संगठनों को खुली छूट है। उन्होंने वक्फ संपत्तियों को लेकर भी सरकार के हस्तक्षेप का विरोध किया और कहा कि वक्फ मुसलमानों की अमानत है, इसमें दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्यायपालिका पर गंभीर आरोप

मौलाना महमूद मदनी ने भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए कहा कि, 'सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कहलाने का हक नहीं है, क्योंकि अदालत सरकार के दबाव में काम कर रही है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक अदालत तभी 'सुप्रीम' कहलाती है जब वह संविधान और कानून का सख्ती से पालन करती है। उनके अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी जैसे कई संवेदनशील मामलों में संविधान की अनदेखी करते हुए निर्णय दिए हैं, जिससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा होता है। मौलाना मदनी के इस बयान ने राजनीतिक और कानूनी क्षेत्रों में तीखी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न की हैं, क्योंकि भारत में न्यायपालिका को लोकतंत्र का एक अनिवार्य और स्वतंत्र स्तंभ माना जाता है।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सिद्धारमैया से मिले शिवकुमार

शिवकुमार और मेरे बीच सहमति है कि दोनों मिलकर आगे बढ़ेंगे : सिद्धारमैया

बेंगलुरु,29 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के सत्ता नेतृत्व परिवर्तन को लेकर राजनीतिक अफवाहों और अंदरुनी असंतोष को एक स्वर से खारिज कर दिया है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने पार्टी नेताओं के निर्णयों और निर्देशों के अनुसार काम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। वहीं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया कि मंत्री हों या विधायक,सरकार के खिलाफ नहीं हैं। शिवकुमार और मैं दोनों मिलकर आगे बढ़ेंगे। दरअसल,कांग्रेस हाईकमान ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के सत्ता हस्तांतरण विवाद पर दोनों को बैठकर बात करने के निर्देश दिए थे। इसकेबाद शनिवार सुबह राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ उन्होंने नाश्ता करने के दौरान वार्ता की। इसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित किया। पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि हम दोनों ने तय किया है कि पार्टी नेताओं के निर्देशानुसार ही काम करेंगे। चूँकि सत्र चल रहा है, इसलिए हम दोनों को निर्देश दिया गया है कि हम भ्रम दूर करने के लिए काम करें। अब कल से कोई भ्रम नहीं रहेगा। अभी भी नहीं है। हमारे बीच जो सहमति बनी है, उसके बारे में आलाकमान को सूचित कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों ने भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। कुछ मीडिया संस्थानों ने इसे फैलाया है। हो सकता है कि कुछ विधायक मंत्रिमंडल फेरबदल के सिलसिले में दिल्ली गए हों। इसे अलग तरह से समझने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कुछ अनावश्यक भ्रम पैदा किया गया है। हमने इस बारे में बात की है। वर्ष 2028 के चुनाव और स्थानीय निकाय निगम, तालुका, जिला और ग्राम पंचायत चुनाव हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और हमने इस पर चर्चा की है। इस बात पर भी चर्चा हुई है कि 2028 में कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाना है। उन्होंने कहा कि हमने तय किया है कि हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। न अभी, न भविष्य में होगा। शीतकालीन सत्र 8 दिसंबर से बेलगावी में शुरू होगा।

नक्सली विचारधारा को कांग्रेस पार्टी ने सदैव बढ़ावा दिया : सीएम योगी

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों कांग्रेस और मुस्लिम लीग को लेकर एक बयान दिया था। ये बयान उस समय तो चर्चा में था ही, अब एक बार फिर ये बयान उभरकर सामने आया है. बिहार में दिए गए पीएम के बयान को लेकर सीएम योगी ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सही कहते हैं कि कांग्रेस, 'मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस' बन चुकी है, जहां विचार नहीं, वोट निर्णायक हो गए हैं. सीएम योगी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा है कि 'अलगाववाद, अराजकता और हिंसा की प्रतीक नक्सली विचारधारा को कांग्रेस पार्टी की विखंडित-विभाजनकारी दृष्टि ने सदैव बढ़ावा दिया है. राजनीतिक लाभ के लालच में कांग्रेस ने नक्सली नेटवर्क को नैतिक संरक्षण और उनके समर्थकों को राजनीतिक सहारा देकर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया. यूपीए काल में नेशनल एडवाइजरी काउंसिल की नीतिगत नौटंकी ने सुरक्षा-बलों के साहसिक अभियानों को कमजोर कर देश की सुरक्षा-रेखा को ही संकट में झोंक दिया।

लॉ स्टूडेंट्स ईमानदारी न छोड़ें,संविधान तभी तक रहेगा, जब तक आपकी नैतिकता इसे बरकरार रखेगी : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

सोनीपत,29 नवम्बर 2025। भारत के मुख्य न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश) सूर्यकांत ने कानून के छात्रों से आह्वान किया है कि वे ईमानदारी को अपने चरित्र की मूल संरचना बनने दें और इसे कोई भी बदलाव न करें। ईमानदारी की बात कर रहे हैं और ये आपके लिए बड़ी महत्वपूर्ण लाइन है। मुख्य न्यायाधीश शनिवार को सोनीपत में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी पहुंचे। जिंदल यूनिवर्सिटी पहुंचने पर उनका स्वगत किया गया। 'न्यायपालिका की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों के व्यापक परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कानून का अध्ययन कठिन और प्रेरणादायक दोनों हो सकता है। प्यारे छात्रों, याद रखें कि आप इस बात के छात्र हैं कि आगे क्या होगा। संविधान तभी तक रहेगा, जब तक आपकी नैतिकता इसे बरकरार रखती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि 'ईमानदारी' केवल चरित्र का आभूषण नहीं है, बल्कि यह वह अनुशासन है जो न्याय और प्रतिष्ठा दोनों को बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि कानून का अभ्यास और न्याय की खोज हमेशा 'ईमानदारी' के इस आदर्श की ओर ही होनी चाहिए।

सत्य और शोर का युग

सूर्यकांत ने वर्तमान युग की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, जहां 'डीपफेक' विकृतियां पैदा करते हैं, गलत सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, और 'डिजिटल गिरफ्तारियां' आम हो गई हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में, ईमानदारी और सच्चाई अब केवल उच्च आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व के साधन हैं, और वास्तविक सफलता का एकमात्र वैध 'शॉर्टकट' हैं।

फैसले में संविधान का मूल वादा जरूरी

मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि जब भी कोई याचिका हमारे समक्ष आती है, हम न केवल तथ्यों और कानून पर विचार करते हैं, बल्कि हम हमेशा अपने संविधान के उस मूल वादे को भी याद रखते हैं, जिसके तहत हम सभी ने एक समाज के रूप में रहना स्वीकार किया है। हम सदैव इस बात को ध्यान में रखते हैं कि 26 नवंबर, 1949 को हमने जो दस्तावेज स्वयं को समर्पित किया था, उसमें निहित उच्चतर लक्ष्य क्या थे। और यही उच्चतर लक्ष्य सुनिश्चित करता है कि जब हम न्याय करते हैं, तो हम केवल कानून का पालन नहीं कर रहे होते हैं।

नेशनल हेराल्ड केस पर फैसला तीसरी बार टला

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2025। नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला तीसरी बार टल गया है। कोर्ट का यह तय करना है कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लें या नहीं। चार्जशीट में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और दूसरे कई सीनियर कांग्रेसी नेताओं के नाम हैं। ईडी ने इन नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ी फाइनेंशियल गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। यह कंपनी ही असल में नेशनल हेराल्ड अखबार पब्लिश करती थी। कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला 29 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रखा था। इसके बाद 8 अगस्त और 29 नवंबर को फैसला टला। अब कोर्ट 16 दिसंबर को फैसला सुनाएगी।

श्रीलंका में साइक्लोन दितवाह से भारी तबाही,123 मौतें,तीन दिन से 300 भारतीय यात्री कोलंबो एयरपोर्ट पर फंसे

श्रीलंका,29 नवम्बर 2025। चक्रवाती तूफान दितवाह ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है। तूफान के चलते अब तक कम से कम 123 लोगों की मौत हो चुकी है,जबकि राहत और बचाव अभियान जारी है. गंभीर मौसम की स्थिति के बीच दितवाह अब भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कई क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। तूफान के प्रभाव से कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें रद्द हुई हैं,जिसके कारण करीब 300 भारतीय यात्री पिछले तीन दिनों से कोलंबो के बंदरनायके अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर फंसे हुए हैं। इनमें लगभग 150 यात्री तमिलनाडु के बताए जा रहे हैं। कोलंबो एयरपोर्ट पर यात्रियों ने आरोप लगाया है कि मौसम बिगड़ने और उड़ान संचालन बाधित होने के कारण उन्हें पर्याप्त भोजन,पानी और आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रहा हैं। स्थिति को देखते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सार्वजनिक विभाग के सचिव को भारतीय दूतावास से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं,ताकि फंसे हुए यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों से भी संपर्क किया गया है। भारत सरकार ने श्रीलंका में तबाही के बाद मानवीय सहायता बढ़ाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तूफान में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया है और आपातकालीन मदद भेजने की पुष्टि की है।

नौसेना भविष्य में सैन्य ताकत के किसी भी इस्तेमाल में अहम भूमिका निभाएगी : सीडीएस

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2025। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भारत को महाद्वीपीय और समुद्री ताकत बताते हुए कहा कि भारत की आखिरी किस्मत शायद समुद्र में ही तय होगी और इसमें नौसेना इस किस्मत को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाएगी। भारतीय नौसेना अकादमी की पासिंग आउट परेड में शामिल अधिकारियों को उन्होंने सलाह दी कि युद्ध के मैदान में नाकाबिलियत की कीमत जान देकर चुकाई जाती है, इसलिए पेशेवर उत्कृष्टता की ओर बढ़ें। केरल के एझिमाला में पासिंग आउट परेड (पीओपी) के समीक्षा अधिकारी जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि नौसेना हमारे राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए भविष्य में मिलिट्री पावर के किसी भी इस्तेमाल में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने नए-नवेले अधिकारियों से कहा कि पेशेवर उत्कृष्टता के लिए आपकी प्रतिबद्धता पक्की होनी चाहिए,ताकि शांति में आप तैयार रहें और युद्ध में आप जीतें। उन्होंने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि जब मैं सर्विस में शामिल हुआ था, तो सैन्य रणनीति काफी हद तक ज्योग्राफिकल बातों से तय होती थी। इसके विपरीत आज तकनीक ने ज्योग्राफिकल को पीछे छोड़ दिया है, जिससे यह कम प्रासंगिक हो गया है। टेक्नोलॉजी ज्यादातर मिलिट्री स्ट्रैटेजी, ऑपरेशनल आर्ट और यहां तक कि सबसे छोटी टैक्टिक्स को भी चलाती है। जनरल अनिल चौहान ने उन प्लाटून का निरीक्षण किया, जो भारतीय नौसेना,तटरक्षक बल और दुनियाभर में अन्य मित्र विदेशी नौसेनाओं में सेवा देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि आप अपने पूरे करियर में इसी पर फोकस करें। साथ ही युद्ध कई तरह के हो गए हैं। कोई भी अकेली सर्विस अकेले युद्ध नहीं जीत सकती। भविष्य के सभी युद्ध इंटीग्रेटेड तरीके से लड़े जाएंगे। संयुक्तता ही वह मंत्र है, जो हम सभी को सफल बनाएगा। हम उसी हिसाब से तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और इंटीग्रेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। पहले भी कई मौकों पर मैंने कहा है कि भारत एक कॉन्टिनेंटल और एक मैरीटाइम पावर दोनों है, लेकिन भारत की आखिरी किस्मत शायद समुद्र में ही तय होगी और इसमें नौसेना इस किस्मत को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाएगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार पासिंग आउट परेड में बांग्लादेश, मालदीव, मोजाम्बिक, म्यांमार, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम के प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लेकर भारत की मजबूत समुद्री साझेदारी और सहयोगी रक्षा जुड़ाव को रेखांकित किया।

समारोह में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ नौसेना नेतृत्व, माता-पिता, प्रशिक्षक और सलाहकार मौजूद थे,जिन्होंने कैडेटों को उनके कठोर प्रशिक्षण के दौरान मार्गदर्शन दिया था। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में परेड की समीक्षा के साथ-साथ उत्कृष्ट कलाकारों को पदक और ट्रॉफी का पुरस्कार और स्ट्राइप्स की औपचारिक शिपिंग शामिल रही, जो कैडेट्स की अधिकारियों के रूप में औपचारिक कमीशनिंग का प्रतीक है।

संपादकीय

क्लाइमेट चेंज बढ़ा रहा गरीबी

कुदरती आपदाएं आर्थिक संकट का कारण गंभीरता से निपटना जरूरी

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी में मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन करोड़ों लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहा है। गरीबी अब केवल आय की कमी नहीं रही, इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता,ऊर्जा,आवास और जल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी भी शामिल है। भारत आज जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा,बार-बार आने वाली बाढ़ और सूखा अब सामान्य हो चुके हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बीते दो दशकों में भारत का औसत तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। यह मामूली आंकड़ा नहीं,बल्कि जीवन और जीविका, दोनों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

देश के लगभग 60 प्रतिशत जिले किसी न किसी रूप में जलवायु संवेदनशील क्षेत्र घोषित किए जा चुके हैं। बुंदेलखंड, विदर्भ,मराठवाड़ा,राजस्थान,बिहार और झारखंड जैसे क्षेत्र लगातार सूखे और जल संकट से जूझ रहे हैं। वहीं,उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य अतिवृष्टि और भूस्खलन से प्रभावित हैं। एक तरफ किसान की फसलें सूखे में झुलस जाती हैं, दूसरी ओर असम और बिहार में बाढ़ सब कुछ बहा ले जाती है।

केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार,देश के 60 प्रतिशत से अधिक जिलों में भूजल स्तर लगातार गिरावट पर है। महाराष्ट्र का विदर्भ, कर्नाटक का उत्तरी भाग,मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र, बिहार-झारखंड के पठारी इलाके-सभी जल संकट से जूझ रहे हैं। राजस्थान और हरियाणा के कई हिस्सों में जल स्तर 10 से 20 मीटर तक नीचे चला गया है। वहीं, उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर-पूर्वी राज्यों में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आईएमडी के मुताबिक,2024 में औसत से 16 प्रतिशत अधिक अतिवृष्टि दर्ज की गई,जिससे कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति बनी। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भारत में करीब 23 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं। इनमें से अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जो कृषि पर निर्भर है। हर साल फसल नष्ट होने, सिंचाई की कमी और जलवायु अस्थिरता के कारण किसान कर्ज के चक्र में फंस रहे हैं। परिवर्तन की जरूरत। विश्व बैंक के अनुसार, यदि जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो 2030 तक भारत की 5 प्रतिशत आबादी और गरीबी रेखा के नीचे जा सकती है। भारत ने भी सीओपी-28 में वादा किया था कि वह 2070 तक नेट जीरो एमिशन प्राप्त करेगा। लेकिन, केवल लक्ष्य तय कर लेने से परिवर्तन संभव नहीं, जरूरत है हकीकत में काम करने की। भारत सरकार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नैशनल एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज,ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा मिशन और जलवायु-सहनशील कृषि नीतियों जैसी कई पहल की हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने वन अर्थ,वन फैमिली, वन फ्यूचर का संदेश देकर वैश्विक सहयोग की दिशा में नेतृत्व भी किया है।

सेना की वर्दी में आस्था की संवैधानिक परिधि

''भारतीय संविधान नागरिकों को धर्म का पालन,आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है, परंतु यह स्वतंत्रता पूर्णतः निरपेक्ष नहीं है। विशेषकर उन सेवाओं में,जहाँ सामूहिक अनुशासन,पदानुक्रम, आज्ञापालन और इकाई-एकजुटता ही अस्तित्व की शर्तें हैं, वहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता का दायरा स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है। भारतीय सशस्त्र बल इसी श्रेणी में आते हैं, जहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा, युद्धक क्षमता और सामूहिक मनोबल किसी भी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद या धार्मिक व्याख्या से कहीं ऊपर रखे जाते हैं।''

डॉ. सत्यवान सौरभ,
भिवानी,हरियाणा

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को उचित ठहराया जाना इस बात का प्रमाण है कि ''आवश्यक धार्मिक आचरण'' और ''व्यक्तिगत धार्मिक व्याख्या'' में स्पष्ट अंतर किया जाएगा, और वर्दी में रहते हुए यह अंतर और अधिक कठोर हो जाता है। यह निर्णय यह संकेत भी देता है कि सैन्य सेवा का मूल स्वर ''सैकुलर यूनिट-कल्चर'' पर आधारित है, जहाँ किसी भी धर्म की मान्यताएँ सम्मानित हैं, किंतु किसी एक धर्म की निजी व्याख्या रेजिमेंटल परंपराओं, आदेशों या सैन्य अनुशासन पर प्रभाव नहीं डाल सकती।

भारत जैसे बहुधर्मी समाज में सेना का चरित्र हमेशा से विशिष्ट रूप से धर्मनिरपेक्ष रहा है। एक ही पलटन में हिंदू,मुस्लिम, सिख,ईसाई,बौद्ध और अन्य धर्मों के सैनिक कंधे से कंधा जोड़कर लड़ते हैं। उनकी एकता का आधार ''धर्म'' नहीं,बल्कि ''रक्त संबंधी बंधुत्व'' और ''राष्ट्र के प्रति साझा निष्ठा'' है। यही कारण है कि भारतीय सेना की रेजिमेंटल परंपराओं में धार्मिक रंग तो दिखते हैं, पर उनका उद्देश्य किसी विशेष धर्म का प्रचार नहीं, बल्कि सैनिक भावना,युद्धक मनोबल और ऐतिहासिक गौरव की निरंतरता को बनाए रखना होता है। उदाहरणस्वरूप कई रेजिमेंट अपने पारंपरिक युद्ध-नाद या शुभ प्रतीकों का उपयोग करती हैं,जो उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और युद्धों में प्रदर्शित वीरता की गवाही देते हैं।

किसी सैनिक के लिए धार्मिक आस्था उसका व्यक्तिगत अधिकार अवश्य है, पर जब वह वर्दी धारण करता है, तो वह व्यक्ति नहीं,राष्ट्र का प्रतिनिधि बन जाता है। सेना किसी सैनिक को किसी विशेष धार्मिक अनुष्ठान को त्यागने या नया अपनाने के लिए बाध्य नहीं करती, किंतु यह अपेक्षा अवश्य करती है कि भीतर की किसी निजी व्याख्या को सैनिक अपने कर्तव्यों,आदेशों या इकाई-परंपराओं से ऊपर न रखे। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी संदर्भ में स्पष्ट किया कि क्या कोई धार्मिक ग्रंथ वास्तव में किसी विशेष क्रिया को प्रतिबंधित करता है या यह केवल व्यक्ति की निजी धारणा है–यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है। ''आवश्यक धार्मिक आचरण'' वही होता है जो धर्म के मूलभूत स्वरूप का अंग हो, जिसे त्याग देने पर धर्म का स्वरूप ही बदल जाए। इसके विपरीत यदि कोई आचरण केवल व्यक्तिगत व्याख्या पर आधारित है, तो उसे सेवा-आवश्यकताओं से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि यदि किसी सैनिक को आदेश दिया जाए कि वह किसी आधिकारिक कार्यक्रम या परेड में भाग ले, और वह ''धार्मिक कारणों'' का हवाला देते हुए मना करे, तो उसकी इस असहमति के दो स्तरों की जाँच होगी–पहला यह कि क्या वह आचरण सचमुच धर्म-आवश्यक है? और दूसरा यह कि क्या उसका पालन रेजिमेंटल अनुशासन या सामूहिक मनोबल को प्रभावित करता है? यदि कोई सैनिक आदेश का पालन नहीं करता, तो वह केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता–वह पूरी संरचना के अनुशासन को चुनौती देने का कार्य बन जाता है। सेना में एक भी अस्वीकार उदाहरण चेन-ऑफ-कमांड को कमजोर करने का कारण बन सकता है, क्योंकि युद्धकालीन या संकट की परिस्थितियों में आदेशों का तुरंत पालन ही जीवन और मृत्यु का अंतर तय करता है।

सैन्य अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन नहीं है; यह मनोवैज्ञानिक एकजुटता और मानसिक तैयारी की वह अवस्था है जिसमें प्रत्येक सैनिक स्वयं को इकाई का अभिन्न घटक मानता है। धार्मिक आधार पर स्वयं को अलग करना या रेजिमेंटल परंपराओं से दूरी बनाना उस भावना को कमजोर कर सकता है। इसलिए न्यायालय और सैन्य नेतृत्व दोनों इस बात पर सहमत हैं कि ''व्यक्तिगत विश्वास'' और ''व्यक्तिगत व्याख्या'' का सम्मान तो किया जा सकता है, पर ''व्यक्तिगत धार्मिक औचित्य'' देकर सैन्य आदेशों का उल्लंघन न तो स्वीकार्य है, न ही वह किसी भी प्रकार ''धर्म के अधिकार'' के अंतर्गत आता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सेना किसी सैनिक को दूसरे धर्म के अनुष्ठानों में ''भाग लेने'' के लिए बाध्य नहीं करती, बल्कि केवल ''उपस्थिति'' या ''प्रोटोकॉल'' पूरा करने की अपेक्षा करती है। उदाहरण स्वरूप–यदि किसी कार्यक्रम में किसी देवी-देवता की प्रतिमा लाई जाती है या आशीर्वाद की औपचारिक प्रार्थना होती है, तो सैनिक को ''उपस्थित'' रहना होता है,''पूजा'' करना अनिवार्य नहीं होता। यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि सेना किसी की अंतःकरण-स्वतंत्रता का अतिक्रमण नहीं करती। सैनिक चाहे तो मन ही मन अलग विश्वास रख सकता है, पर वह सार्वजनिक रूप से असहमति दिखाकर अनुशासन को चुनौती नहीं दे सकता।

सवाल यह है कि क्या सेना ''उचित समायोजन'' कर सकती है? हाँ,पर इसकी सीमा वही है जहाँ तक वह सामूहिक हितों को प्रभावित न करे। कई बार सैनिकों को उनके धार्मिक त्यौहारों, पूजा-पद्धतियों या आहार-मान्यताओं के अनुसार उचित छूट दी जाती है। सेना में गुरुद्वारा, मंदिर,मस्जिद,चर्च आदि के लिए स्थान भी निर्धारित होते हैं। पर यह ''धर्म-आधारित सुविधाएँ'' तभी तक संभव हैं जब तक वे ''सेवा के मूल कार्य'' या ''युद्धक आवश्यकताओं'' से संघर्ष न करें। यदि किसी व्यक्तिगत आस्था का पालन इकाई की गतिविधियों, युद्ध-तैयारी या आदेशों में अवरोध डालता है,तो उसका समायोजन संभव नहीं होता।

सैन्य अधिकारी के लिए दायित्व और भी अधिक कठोर हो जाते हैं। अधिकारी केवल आदेश का पालन करने वाला सैनिक नहीं होता–उसे दूसरों के लिए उदाहरण बनना होता है। यदि वह स्वयं आदेश मानने से इनकार करता है, और वह भी व्यक्तिगत धार्मिक कारणों का हवाला देकर, तो उसके अधीनस्थों का मनोबल प्रभावित होता है और अनुशासन के टूटने की संभावना बढ़ती है। इसलिए न्यायालय ने इसे ''सबसे गंभीर प्रकार की अनुशासन हीनता'' माना। न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि कोई अधिकारी निजी धार्मिक व्याख्या को सेवा के ऊपर रखता है, तो वह स्पष्ट रूप से यह प्रदर्शित करता है कि वह वर्दी की माँगों के अनुरूप स्वयं को ढालने में असमर्थ है।

धर्म और सैन्य अनुशासन के संबंध में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है–क्या ''धार्मिक स्वतंत्रता'' सैनिक की पहचान है या उसकी प्राथमिक पहचान ''राष्ट्र-सेवक'' होना है? भारतीय सेना का चरित्र सदैव ''धर्म-निरपेक्ष पेशेवरिता'' पर आधारित रहा है। सैनिक का प्राथमिक धर्म ''कर्तव्य'' है–''धर्मनिष्ठा'' नहीं। इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके व्यक्तिगत धार्मिक जीवन को दबा दिया जाए; बल्कि यह है कि वर्दी में रहते हुए उसका धर्म ''राष्ट्र-धर्म'' बन जाता है। व्यक्तिगत आस्था उसकी निजी सीमा में सुरक्षित रहती है, और सेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी सैनिक अपने धर्म के कारण न तो उपेक्षित महसूस करे, न ही उसे विशिष्ट विशेषाधिकार मिले।

स्मृतियों की सुगंध और गाँव का हृदय,हमारी संस्कृति रिश्तों की डोर

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा मध्य प्रदेश

उम्र की साँझ ढल रही है, और जीवन की दौड़ अब थमने लगी है। इस ठहराव में, दिल बार-बार एक ही ठिकाने की ओर मुड़ता है–वो ठिकाना, जहाँ हमारी आत्मा की नींव पड़ी थी–हमारा गाँव। यह केवल ईंट और मिट्टी का ढाँचा नहीं था, यह जीवन का संपूर्ण कैनवास था,जो आज भी अपनी गंध, अपनी ध्वनि और अपने रंग से हमारे हृदय को भाव-विह्वल कर देता है।

पीपल,नीम और वो ठंडी छाँव

गाँव का दृश्य शुरू होता है पीपल और नीम के विशाल वृक्षों से। पीपल, जिसके नीचे बैठकर दादाजी शाम को हुक्का गुड़गुड़ाते थे और गाँव के लोग चौपाल लगाते थे। उसकी ठंडी, पवित्र छाँव... वो केवल धूप से राहत नहीं थी, वो एक सुरक्षा कवच थी। और नीम, जिसकी के वाहट ने हमें रोगों से बचाया और जिसकी टहनियाँ हमारी दातुन बनीं। ये पे महे वनस्पति नहीं थे, ये हमारे परिवार के सदस्य थे, हमारी संस्कृति के प्रतीक।

रिश्तों की डोर और बाबूजी

गाँव का जीवन रिश्तों की घनी पगडंडी थी। सबसे पहले याद आते हैं बाबूजी। उनका सख्त अनुशासन, लेकिन आँखों में भरा असीम स्नेह। उनकी पगड़ी और खेतों में उनके पसीने की गंध, जो हमें ईमानदारी और मेहनत का पाठ पढ़ाती थी। फिर दादी, जिनकी झुर्रीदार हथेलियों में दुनिया की सबसे बड़ी ममता थी। वो चूल्हे की धीमी आँच पर पकती कहानी सुनाती थीं, जहाँ राजा-रानी और परियों की बातें हमें सपनों की दुनिया में ले जाती थीं।

और हमारे दोस्त! वे नदी की मछली की तरह चंचल थे। गिल्ली-डंडा, कंचे, और खो-खो का वो उन्मुक्त खेल। आज की वर्चुअल दोस्ती के दौर में, उस मिट्टी पर एक साथ बैठने और दुःख-सुख बाँटने वाले दोस्तों की जगह कोई नहीं ले सकता।

अमराई,नदियाँ और संस्कृति का रंग

गाँव की पहचान थी उसकी प्रकृति। नदियाँ, जो जीवनदायिनी थीं। उन नदियों के किनारे घंटों बैठना, पत्थर उछालना, या गर्मी की छुट्टियों में तैरना–वो सब आज भी रोमांच से भर देता है। नदी केवल जलधारा नहीं थी, वह हमारी आत्मा का दर्पण थी। और हाँ, वो अमराई (आम का बगीचा)! गर्मियों में आम की कच्ची खटास और पके आमों की मिठास! अमराई में छिपा-छिपी खेलना और टूटी हुई डालियों से आम चुराकर खाने का जो मेा था, वो आज बड़े-से-बे मॉल में भी नहीं मिलता।

गाँव की संस्कृति उसके रगों में थी। तीज-त्योहारों का इंतज़ार साल भर रहता था। होली पर फाग गाना, दिवाली पर मिट्टी के दिए जलाना, और सावन में झूला डालना। ये सिर्फ़ रस्में नहीं थीं, ये एक सामुदायिक जीवन का उत्सव था, जहाँ पूरा गाँव एक परिवार बन जाता था।

गुरुजी और जीवन का ज्ञान

कैसे भूल सकते हैं अपने गुरुजनों को? स्कूल का वह साधारण कमरा, जहाँ गुरुजी छड़ी के भय से नहीं, बल्कि अपने ज्ञान और सम्मान से राज करते थे। उन्होंने किताबी ज्ञान के साथ-साथ जीवन का व्यवहारिक ज्ञान भी दिया। उन्होंने सिखाया कि मेहनत का फल मीठा होता है, और अनुशासन ही जीवन की कुंजी है।

आज, उम्र के इस पड़ाव पर, जब शहरों की भागदौड़ तेज चुकी है, तो यह एहसास गहरा होता है कि वो सुहाने पल बस यादों में रहते हैं। ये वो अनमोल पूंजी है, जो हर किसी के हृदय में नहीं होती। जिनके पास इन अमराईयों की छाँव, इन पगडंडियों की धूल और इन रिश्तों की गर्माहट की यादें हैं, वे वास्तव में सबसे धनी व्यक्ति हैं। और यही यादें, आज भी, हमें इस कृत्रिम दुनिया में भी जीने की तो त देती हैं।

भारत के विरुद्ध ड्रोन फोर्स तैयार करने में जुटी पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी

सुभाष आनंद
विनायक फीचर्स

हुसैनीवाला के पार से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार पंजाब के सीमावर्ती जिलों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आई.एस.आई ने आतंकवादी गतिविधियां तेज करते हुए अब आतंकवादियों को ड्रोन चलाने की ट्रेनिंग देनी शुरु कर दी है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आई.एस.आई आतंकी प्रशिक्षण शिविरों में भारत के खिलाफ ड्रोन फोर्स तैयार करने में जुटी हुई है। सूत्रों से पता चला है कि इसके लिए बकायदा पाकिस्तान की वायु सेना के बड़े-बड़े अधिकारियों के साथ ब्रिगेडियर अहमद राशिद और सुल्तान अहमद आतंक वादियों को ड्रोन उड़ाने से लेकर उससे हमले करने तक का प्रशिक्षण दे रहे है। चीन में बने यह आधुनिक ड्रोन आतंकवादियों और तस्करों का सबसे बो या हथियार समझे जा रहे है। इनसे बिना किसी परेशानी के भारतीय सीमा में ड्रोन से हथियार और घातक शस्त्रों की सप्लाई की जा रही है। नशीले पदार्थों से लदे ड्रोन भारत में लगातार भेजे जा रहे है।

सूत्रों के अनुसार सीमावर्ती क्षेत्र अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का और गुरदासपुर में सीमा सुरक्षा बलों ने भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अपनी गतिविधियां बढ़ाते हुए अपने आप को सक्रिय और चौकस कर रखा है। उधर, पाकिस्तान के अधिकारी सुबह से शाम तक शिविरों में जाकर आतंकवादियों को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दे रहे है। शिविरों में अधिकारी आतंकवादियों को बता रहे है कि ड्रोन कितनी ऊंचाई तक उड़ाना होता है, ताकि ड्रोन दुश्मनों के रडार पर ना आ सके। किस ड्रोन में कितना ड्रग,असला और विस्फोट भेजना है यह भी वे आतंकवादियों को सिखा रहे हैं। सूत्रों से पता चला है कि पंजाब में जो ड्रोन उड़ाए जा रहे हैं उन्हें पाकिस्तान की सीमा सुरक्षा बल और तस्कर ऑपरेट करते हैं, जिन्हें आई.एस.आई से ट्रेनिंग मिली है। यह ड्रोन बहुत ही आधुनिक ढंग से बनाए जाते हैं जो बड़ी आसानी से 10-15 किलो मीटर उड़ान भर सकते है। उड़ान भरने से पहले इसके संचालक भारत में बैठे तस्करों से संपर्क करते है और तय स्थान पर ड्रोन से शस्त्रों और नशीले पदार्थों की खेपें उतारते है। चीन से बने ड्रोनों का उपयोग जहां पाकिस्तानी सेना कर रही है, वहीं आतंकी भी चीनी ड्रोन का प्रयोग कर रहे है। आतंकी कार्रवाईयों में यह ड्रोन पाकिस्तानी सेना, वायु सेना और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई पहुंचा रही है।

1990 के दशक से पूर्व जब भारत-पाक सीमा पर कंटीली तार नहीं लगी थी, तब भी पाकिस्तान से अवैध शस्त्रों ओर नशीले पदार्थों की तस्करी होती थी। कंटीली बाढ़ लगने के बाद भूमिगत सुरंगों से तस्करी होने लगी थी और अब ड्रोनों के जरिए यह तस्करी हो रही है। सीमा सुरक्षा बल के एक अधिकारी ने बताया कि उच्च तकनीक प्राप्त ड्रोन 500 से 1300 मीटर तक उड़ रहे है। सर्दियों में धुंध गहरी होने के कारण इनकी विजिबिल्टी कम हो जाएगी। 500 मीटर से उड़ते ड्रोन को नीचे गिराना मुश्किल होता है। पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आई.एस.आई की निगरानी में जो ड्रोन उड़ाए जाते है,वे सामान फेंककर शीघ्रता से वापिस लौट जाते हैं। जिसके कारण पंजाब के सीमावर्ती जिलों में लगायी गई एंटी ड्रोन प्रणाली के रडार में वह नहीं आ पाते। उधर, बड़े अधिकारियों का कहना है कि एंटी ड्रोन प्रणाली तभी सफल होगी जब तकनीक,हमारी गुप्तचर एजेंसियां, रैपिडरिस्पांस टीम तीनों मिलजुलकर काम करेंगी। पाकिस्तान का नेटवर्क इस समय पहले से ज्यादा मजबूत एवं आधुनिक है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (पाकिस्तान रेंजर) प्रायः ड्रोन को रात्रि में ही उतारती है।

सारी दुनिया मानती है कि पाकिस्तान टैरर फैक्ट्री है। इस समय सीमा पर पाकिस्तान की गतिविधियों को देखकर लगता है कि वह पंजाब के सीमावर्ती जिलों में ड्रोन के जरिए किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने ऐसे कई इनपुट दिए है। हमारी सुरक्षा एजेंसियां एक दम चौकस है।

ऐसा देखा गया है कि कई बार ड्रोनों पर ज्यादा सामान लाद दिया जाता है और वह भारी सामान के कारण बीच में ही नीचे गिर जाते है। जिन्हें स्थानीय असामाजिक तत्व बटोर लेते हैं। मानव रहित यह ड्रोन तस्करों के लिए भी वरदान साबित हो रहे है। तस्कर अब बिना जान जोखिम में डाले नशीले पदार्थों की तस्करी करने में लगे हुए है। इससे स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान के इरादे नेक नहीं है। वह भारतीय भूमि को पुनःअशांत करने के लिए लगा हुआ है। अभी तक पंजाब में अधिकतर ऐसे लोगों के पास शस्त्र और नशीले पदार्थों की खेपें पकड़ी गई है, जो कंटीली तार के पास खेतीबाड़ी करने जाते है। सरहद पर बने गेट तस्करों के लिए गेट वे बन रहे है। भारत में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है जो रुपए कमाने के लिए देश की सुरक्षा और अस्मिता से खेलने के लिए सदा तैयार रहते है। पिछले दिनों सरहदी क्षेत्रों में आई बाढ़ के दिनों में कई तैराक युवकों ने पाकिस्तान से लाखों की तस्करी की, इनमें कुछ सुरक्षा एजेंसियों के हाथों पकड़े भी गए। पाकिस्तानी ड्रोन देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बने हुए है। चाईना मेड ड्रोन पाकिस्तान के मार्केट में सरेआम बिक रहे है। वहीं पाकिस्तान में बैठे एक बड़े राजनीतिक दल ने स्वीकार किया है कि मुनीर अहमद पाकिस्तानी सेना के अध्यक्ष खुद पाकिस्तान से उ ने वाले ड्रोनों की निगरानी कर रहे है और ड्रोन हमलों का चार्ज मुनीर ने स्वयं संभाला हुआ है। पाकिस्तान में जिस प्रकार अराजकता फैल रही है, उससे पाकिस्तान की सरकारें घबराई हुई है। पाकिस्तान में अराजकता का वातावरण उत्पन्न हो रहा है। इसी कारण पाकिस्तानी सेना भारत में भी अराजकता फैलाने की कोशिशें कर रही है।

भारतीय सीमा में एक-एक नहीं,बल्कि चार-चार ड्रोन प्रवेश कर रहे है। पिछले एक सप्ताह में 20 से अधिक ड्रोन हिंदुस्तान की सीमा में घुसे है। फिरोजपुर के सीमावर्ती क्षेत्र कामल वाला में एक ड्रोन मिला, वहीं गांव राजा राए के पास खेतों में छिपाकर रखी दो पिस्तोलें बरामद की गई। अमृतसर के पड़ाही गांव में बीएसएफ ने फायरिंग करके ड्रोन को खदेड़ दिया। तलाशी के बाद 1 किलो 604 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। ममदोट से 8.250 किलो ग्राम हेरोइन बरामद हुई, तरनतान में भी 3 किलो हेरोइन बरामद की गई है। गांव जलालवाल से एक नाई को काबू किया गया है, जिसके पास से सवा चार किलो हेरोइन बरामद हुई है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान भारतीय पंजाब की नौजवान पीढ़ी को नशेड़ी बनाने पर तुला हुआ है।

शहरों में छिपे माओवादियों के समर्थक

अर्बन नक्सलियों से भी सरकार को रहना होगा सतर्क

प्रमोद भार्गव

इसे एक धोखा ही कहा जाएगा कि चंद कथित पर्यावरण प्रेमी वायु प्रदूषण के विरुद्ध प्रदर्शन करें और फिर एकाएक अपने प्रदर्शन को माओवादियों के प्रति हमदर्दी जताने में तब्दील कर दें। बीते दिनों दिल्ली में ऐसा ही हुआ। कुछ लोग दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन करने उतरे, लेकिन फिर वे कुख्यात माओवादी सरगना हिड़मा के समर्थन में उतर आए। उन्होंने 'माडवी हिड़मा अमर रहे' के नारे लगाए। पुलिस ने जब उन्हें नारे लगाने से रोका तो वे पेपर स्प्रे छि कते हुए हिंसक हो गए। पुलिस ने 15 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया। ये माओवाद समर्थक अर्बन नक्सल वाली परिभाषा पर खरे उतरते हैं। ये इससे खफा थे कि हिड़मा को क्यों मारा गया। स्पष्ट है कि ये अर्बन नक्सल जानबूझकर हिड़मा की खूनी हरकतों से अनजान थे। हिड़मा के मारे जाने के बाद माओवादी कैडर में हड़कंप है।

सुरक्षाबलों की सक्रियता के चलते माओवादी बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं। बीते कुछ दिनों में बस्तर जिले में ही सक्रिय 2 करो 8 लाख के इनामी 69 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। इनमें पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल हैं। गृहमंत्री अमित शाह लगातार कह रहे हैं कि मार्च 2026 तक देश से माओवाद का समूल नाश कर दिया जाएगा। इस कारण जंगलों में छिपे माओवादी और साथ ही अतिवादी वामपंथी वैचारिकता से जुड़े अर्बन नक्सली बौखला गए हैं। माओवाद ऐसी जहरीली विचारधारा है, जिसे नगरीय बौद्धिकों का भी समर्थन मिलता रहा है।

ये अर्बन नक्सली खूंखार माओवादियों को आदिवासी समाज का हितचिंतक बताते हैं। जो आदिवासी उनका समर्थन नहीं करते, उन्हें माओवादियों की क्रूरता का शिकार होना पे ता है। माओवादियों ने न जाने कितने आदिवासियों को पुलिस का मुखबिर बताकर मारा है। बावजूद इसके वामपंथी दलों को सुरक्षाबलों की ओर से माओवादियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान पसंद नहीं आता। वे इससे चिंतित हैं कि सरकार माओवादियों के सफाए के लिए प्रतिबद्ध है। हाल में सुरक्षा बलों को माओवादियों की कमर तोड़ने में उल्लेखनीय सफलता मिली है और अब यह लगने लगा है कि उनका मार्च 2026 तक सचमुच सफाया कर दिया जाएगा। इसका कारण यह है कि एक के बाद एक माओवादी सरगना या तो मारे जा रहे हैं या फिर वे हथियार डालने के लिए मजबूर हो रहे हैं। कुछ समय पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षा बलों के माओवाद विरोधी अभियान को तब बड़ी सफलता मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को मार गिराया गया था। यह कुख्यात माओवादी गुरिल्ला ले ाका था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कालेज में पे ाई की थी, लेकिन बाद में हिंसा और हत्याओं के खूनी खेल में लिप्त हो गया।

यह चिंता की बात है कि माओवादियों के खूनी इतिहास से अवगत होने के बाद भी वाम-विचार वाले बौद्धिक उन्हें वैचारिक खुराक देने में लगे रहते हैं। माओवादी हिंसा लंबे समय से देश के कई राज्यों में आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई थी। एक समय माओवादी हिंसा को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार द्वारा उस पर शिकंजा कसे जाने से रक्त बहाने वाले इस हिंसक उग्रवाद पर लगभग नियंत्रित होता दिख रहा है।

कविता

राम तुम भगवान थे...

गरिमा
राकेश
गर्विता
राजस्थान

राम तुम भगवान थे
स्वयं विष्णु का अवतार थे
रावण ,मारीच से जीते तुम
पर एक धोबी से हार गये तुम
क्यों उसकी बातों का तुमने
कोई उचित जवाब नही दिया
ले ली थी जब अग्नि परीक्षा
तो क्यों नही उसका प्रमाण दिया।
तुम्हारी वो एक चुप्पी
वैदेही को अरण्य में धकेल गई
तुमको भी तो अपने ही पुत्रों से दूर ले गई
जीते सारे जग से तुम
सबकों मनचाहा वरदान दिया
फिर क्यूँ अपने ही जीवन में तुमने
धोबी की अनुचित बातों का जहर घोल दिया ।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

जमीन राजिस्ट्री को लेकर सरकार द्वारा तय किए गए नये नियमों के विरोध में कांग्रेस ने सीएम का दहन किया पुतला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में जमीन राजिस्ट्री को लेकर विष्णु देव साय की भाजपा सरकार के द्वारा तय किये गए नये नियमों के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने घड़ी चौक पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। राज्य सरकार ने जमीन राजिस्ट्री को लेकर जो नई गाइडलाइंस लाया है उसके अनुसार अब किसी भी जमीन की कीमत का मूल्यांकन उसके बाजार मूल्य के हिसाब से किया जाएगा। कांग्रेस शासन में यह व्यवस्था थी कि बाजार मूल्य पर 30 प्रतिशत छूट देकर उसपर 4 प्रतिशत राजिस्ट्री शुल्क लिया जाता था। नई गाइडलाइंस के अनुसार जहाँ राजिस्ट्री शुल्क के निर्धारण का आधार बाजार मूल्य को बनाया गया है वहीं पंजीकरण शुल्क को 4 प्रतिशत ही रखा गया है। इससे भूमि के मूल्य में भारी वृद्धि होना तय है। दूसरी व्यवस्था यह बनाई गई है कि यदि कोई भू-खंड मुख्य मार्ग पर है तो उस भू-खंड को दो हिस्से में बांटकर उसके बाजार मूल्य का निर्धारण किया जायेगा। सड़क से लगी सामने की भूमि की कीमत की कीमत पीछे की भूमि से अधिक आकलित की जायेगी। जबकि पहले पूरे

भू-खंड का एक कीमत निर्धारित होता था। इस कारणवश भी भूमि की कीमतों में भारी वृद्धि की संभावना है। प्रदेश की भाजपा सरकार के इस कदम के कारण आमजन के साथ ही व्यापारियों और रियल स्टेट कारोबारियों पर बड़ा आर्थिक भार पडना सुनिश्चित है। इसी के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाह्न पर जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने आज घड़ी चौक पर पुतला दहन किया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार लोककल्याणकारी कार्य करने के बजाय एक व्यापारी की तरह व्यवहार कर रही है। ये सरकार आम जनता को किसी भी प्रकार की राहत देने को तैयार नहीं है। सरकार ने पहले बिजली कीमतों को बढ़ाया और बिजली बिल हाफ योजना को समाप्त किया और अब राजिस्ट्री कीमतों के भार जनता पर डाल दिया है। प्रदेश के वित्तमंत्री ओ पी चौधरी पर तंज करते हुए कहा कि उनकी अदूरदर्शिता के कारण प्रदेश आर्थिक संकट में है। सरकार से आमजन को कुछ हासिल नहीं हो रहा है, उल्टे ओ पी चौधरी जनता पर आर्थिक भार डाल रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने पुतला दहन के इस कार्यक्रम के आयोजन का दायित्व युवा कांग्रेस सरगुजा को सौंपा था। युवा कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष विकल झा के नेतृत्व में पुतला दहन के इस कार्यक्रम का संपादन सफलता पूर्वक किया, जिसकी सराहना कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की।

इस दौरान हेमंत सिन्हा, ए पी सांडिल्य, डॉ लालचंद यादव, दुर्गेश गुप्ता, संजीव मंदिलवार, अनूप मेहता, जमील खान, संजय सिंह, लोकेश कुमार, अमित तिवारी राजा, विकल झा, मदन जायसवाल, मो अखूतर चम्मा, प्रीति सिंह,चंद्रप्रकाश सिंह,निकी खान,सोहन जायसवाल, अमित सिन्हा, सौरभ फिलिप, जीवन यादव, उत्तम राजवाड़े, निखिल विश्वकर्मा, अमित सिंह, अविनाश कुमार, विकास शर्मा, रोशन कन्नौजिया, चंचला सांडिल्य, साधना कश्यप, सरोज मरावी, शमा परवीन, आकाश यादव, शिवांशु गुप्ता, तरणराज सिंह, सीपू सिंह, सतीश घोष, आकाश अग्रहरि, हिमांशु अग्रवाल, संजर नवाज, आशीष फिलिप, समर्पण एक्का, लोलर सिंह, आयुष सोनी, आकिब खान, अयान खान, रोहन साहू आदि मौजूद थे।

पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर रिश्वत मांगने वाले कनिष्ठ पासपोर्ट सहायक को तीन वर्ष की सजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भ्रष्टाचार के मामले में अंबिकापुर के पासपोर्ट सेवा केन्द्र में पदस्थ कनिष्ठ पासपोर्ट सहायक संकट मोचन राय को न्यायालय ने तीन वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह सजा उन पर लगे आरोपों के आधार पर सुनाई गई है, जिसमें उन्होंने हज यात्रा पर जाने के लिए दस्तावेज़ सत्यापन के दौरान रिश्वत की मांग की थी। जानकारी के अनुसार, आरोपी संकट मोचन राय (32) अंबिकापुर पासपोर्ट सेवा केन्द्र में कनिष्ठ पासपोर्ट सहायक के पद पर कार्यरत था। वर्ष 2024 में, इसरार हुसैन और उनके चार साथी समीम अंसारी, तुफैल अहमद, असलम अंसारी और नूरानी पासपोर्ट बनाने के लिए पासपोर्ट सेवा केन्द्र आए थे। इन लोगों का उद्देश्य हज यात्रा पर जाने का था और इसके लिए उन्होंने संबंधित दस्तावेज़ों का सत्यापन करवाना था। 21 मई 2024 को ये सभी व्यक्ति पासपोर्ट सहायक के पास सत्यापन के लिए पहुंचे। इस दौरान, आरोपी संकट मोचन ने दस्तावेज़ में त्रुटि बताकर सत्यापन की प्रक्रिया रोक दी और आरोपियों से कहा कि यदि वे पासपोर्ट बनवाना चाहते हैं तो उन्हें 10,000 रुपये रिश्वत देने होंगे। वरना, वह दस्तावेज़ में त्रुटि बताते हुए पासपोर्ट को रिजेक्ट कर देंगे। इस तरह, आरोपी ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया और अवैध रूप से पैसे की मांग की। घटना की शिकायत एंटीकरप्शन ब्यूरो से की गई, जिसके बाद 30 मई 2024 को एंटीकरप्शन ब्यूरो की टीम ने आरोपी को 8,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत कार्रवाई की और उसे जेल भेज दिया। मामला विशेष न्यायाधीश ममता पटेल की अदालत में चल रहा था, जहां अभियोजन पक्ष की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक विवेक सिंह ने मामले को मजबूती से पेश किया।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में IQAC की बैठक संपन्न

कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले के नेतृत्व में लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा-अम्बिकापुर में आज आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने की। विश्वविद्यालय के अकादमिक, शोध एवं भौतिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासरिक निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान कुलपति ने NAAC CYCLE-II ग्रेडिंग और UGC 12(B) मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रपत्रों में सभी सूचनाएं तैयार कर शीघ्र ही संबंधित संस्थाओं को भेजी जाएं, ताकि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मान्यता प्रणाली में बेहतर स्थान मिल सके। जनजातीय गौरव वर्ष के उपलक्ष्य में कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिसर में भगवान बिरसा मुंडा शिक्षा एवं शोध केंद्र स्थापित करने हेतु भारत सरकार के लिए परियोजना प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह केंद्र जनजातीय समुदायों के अध्ययन, संस्कृति एवं विकास के लिए एक महत्वपूर्ण शोध मंच बनेगा। बैठक में भारत सरकार की NIRF रैंकिंग में विश्वविद्यालय की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति गठित की गई। समिति को आवश्यक डेटा तैयार कर निर्धारित समयसीमा में पोर्टल पर प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. लाकपाले ने सरगुजा जैसे वनांचल क्षेत्र के गरीब एवं कमजोर विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय शिक्षण परिसर में निःशुल्क शिक्षा एवं कोचिंग सेंटर प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से अपील की कि वे इस केंद्र में स्वयं भी निशुल्क कोचिंग प्रदान कर छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ें। शोध कार्य में गुणवत्ता एवं एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु कुलपति जी ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय में होने वाले सभी शोध प्रबंधों के लिए एक समेकित प्रारूप तैयार किया जाए। अनुमोदन के बाद इसी प्रारूप में सभी शोधार्थी अपनी थीसिस जमा करेंगे।

बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में आयोजित 20वें छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन की सफलता पर सभी शिक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। कुलपति ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे गरिमामय आयोजन निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

ढोंगी बाबा की 6 साल बाद गिरफ्तारी,पूजा-पाठ कर गड़ा धन निकालने के नाम पर की थी ठगी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

पूजा-पाठ कर गड़ा धन निकालने के नाम पर 40 हजार रुपये नकद और 21 तोला सोने की ठगी करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने 6 साल बाद गिरफ्तार किया है। मामला वर्ष 2019 का है, जब आरोपी ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी की लगातार कोशिशों के बावजूद पुलिस को आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला था, जिसके बाद पुलिस ने मामले की फाइल 2021 में बंद कर दी थी। हालांकि,एक नई जानकारी के बाद पुलिस ने मामले को फिर से खोलते हुए आरोपी को पकडने में सफलता प्राप्त की। दरअसल,बलरामपुर जिले की शंकरगढ़ पुलिस ने वर्ष 2020 में एक और ठगी मामले में फरार चल रहे आरोपी संजय मिश्रा को गिरफ्तार किया था, जो रामानुजगंज जेल में बंद था। इससे पहले कोतवाली पुलिस ने इस मामले को खात्मा करके फाइल बंद कर दी थी। कोतवाली पुलिस ने जब आरोपी के संबंध में ताजा जानकारी प्राप्त की, तो उन्होंने बंद फाइल को फिर से खोला और 14 अक्टूबर 2025 को रामानुजगंज जेल में बंद संजय मिश्रा को प्रोडक्शन वारंट पर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पूजा-पाठ कर गड़ा धन निकालने के नाम पर ठगी करने की वारदात को स्वीकार किया। आरोपी ने कहा कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर यह ठगी की थी, जिसमें 40 हजार रुपये और 21 तोला सोने का बिस्किट शामिल था। पुलिस ने आरोपी संजय मिश्रा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत कार्रवाई की और उसे न्यायालय में पेश कर दिया। आरोपी की गिरफ्तारी से ठगी की इस पुरानी वारदात का खुलासा हुआ और पुलिस ने उसे सजा दिलाने की दिशा में कार्यवाही शुरू कर दी है। यह गिरफ्तारी एक अहम उदाहरण है, जिसमें पुलिस ने ठगी के मामलों में लगातार प्रयास और जांच से आरोपी को पकडने में सफलता पाई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि जनता को न्याय मिल सके और ठगी करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा दिलाई जा सके।

खलिहान में धान की रखवाली कर रहे थे पति-पत्नी,आधी रात आ धमका दंतैल हाथी,फिर दोनों को कुचलकर मार डाला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के भटगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में शुक्रवार की रात किसान दंपती को दंतैल हाथी ने कुचलकर मार डाला। दरअसल किसान पति-पत्नी खलिहान में काटकर रखे गए धान की रखवाली कर रहे थे। वे पास ही झोपड़ी में सो रहे थे, इसी दौरान दंतैल हाथी वहां आ धमका। जब दोनों झोपड़ी से बाहर निकले तो हाथी ने उन्हें पहले तो सूंड से उठाकर पटक दिया, फिर पैरों तले रौंदकर मार डाला। सूचना पर सुबह वन अमला व पुलिस मौके पर पहुंचे और आगे की प्रक्रिया पूरी की। भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कपसरा के बिसाही पोड़ी निवासी कबिलास राजवाड़े 45 वर्ष किसान था। उसने धान की कटाई कर खलिहान में रखा था। शुक्रवार की रात वह खलिहान के पास ही आम पेड़ के नीचे बनी झोपड़ी में अपनी पत्नी धनियारो 41 वर्ष के साथ धान की रखवाली कर रहा था। दोनों झोपड़ी में सो रहे थे। रात करीब 2 बजे झोपड़ी से सटे मिट्टी के अहाते का कुछ हिस्सा झोपड़ी पर गिरा। इसके बाद दोनों नींद में ही झोपड़ी से बाहर निकल गए। वे बाहर निकले ही थे कि एक दंतैल हाथी उनके सामने खड़ा हो गया।

शराब पीने के लिए बेटा पैसा नहीं दिया तो कर ली आत्महत्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सलका निवासी एक ग्रामीण 26 नवंबर की शाम को शराब सेवन कर घर आया और पुनः शराब पीने के लिए बेटे से रुपए मांगने लगा। नहीं देने पर वह किटनाशक सेवन कर लिया। जानकरी होने पर परिजन उसे इलाज के लिए सूरजपुर जिला अस्पताल से रेफर किए जाने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां आईसीयू खाली नहीं होने पर परिजन मिशन अस्पताल उसे ले गए। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार श्रीराम गोड़ उम्र 58 वर्ष ग्राम सलका थाना प्रेमनगर का रहने वाला था। वह शराब पीने का आदि था। 26 नवंबर की शाम करीब 7.30 बजे शराब सेवन कर घर आया और अपने बेटे बनकेश सिंह से और शराब पीने जाने के लिए रुपए मांगने लगा। बेटे द्वारा रुपए नहीं देने से नाराज होकर वह कीटनाशक सेवन कर लिया इसके बाद वह आग तापने बैठ गया।

पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में युवाओं-छात्रों का दिख रहा खासा उत्साह...

नए कानूनों की बारीकियों को नजदीक से समझकर बढ़ा रहे कानूनों के प्रति ज्ञान, नुक्कड़ नाटक के जरिए नए कानूनों की दी गई जानकारी

शमरोज खान

सूरजपुर,29 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में कोतवाली परिसर में नए आपराधिक कानूनों की प्रर्दशनी का आयोजन किया गया है जिसमें तीनों नए कानूनों के बारे में सम्पूर्ण जानकारियों को समाहित कर प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में नए कानूनों की बारीकियों को जानने नागरिकों, युवाओं व छात्राओं का खासा उत्साह देखा गया और अपने अनुभवों को साझा किया। स्कूली बच्चों के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानूनों की शानदार प्रस्तुती दी। शनिवार, 29 नवम्बर 2025 को डीएव्ही पब्लिक स्कूल भटगांव, कन्या महाविद्यालय सूरजपुर, जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई, एकलव्य विद्यालय शिवप्रसादनगर, अरूणोदय कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं ने पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी का लाभ उठाया। इस दौरान वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों के द्वारा छात्रों को पुराने एवं नए कानूनों के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अपराध विवेचना में आधुनिक तकनीक और

डिजिटल साक्ष्यों की उपयोगिता को परिभाषित कर बताया गया। प्रदर्शनी देखने आए छात्रों ने नए कानूनों की प्रर्दशनी में अपने अनुभव को साझा कर बताया कि हमें आज पुलिस के इस आयोजन में नए कानूनों को जानने के लिए हमें अच्छा अवसर प्रदान किया है। हमने आज कानून की बारीकियो को समझा है और दूसरों को भी नए आपराधिक कानूनों के बारे में जानकारी देकर जागरूक करेंगे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए नए कानूनों की दी गई जानकारी पुलिस द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में डीएव्ही पब्लिक स्कूल भटगांव के छात्र आर्या सिंह, आलिया रिजवी, सिंवागी सिंह, अंशिका सिंह, अर्जुन, लालचंद, शाहिद रजा, वरदान सिंह, आध्या पाण्डेय, एकता सिंह की टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानूनों के बारे में उपस्थित युवाओं व लोगों को जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने नए कानूनों की प्रमुख विशेषताओं और उनके नागरिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को विस्तार से समझाया। इसमें जीरो एफआईआर का प्रावधान, 90 दिन के भीतर आरोप पत्र दाखिल करना और फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। इस प्रस्तुति ने सरकार द्वारा आम आदमी को सुलभ न्याय दिलाने के प्रयासों को उजागर किया। डिजिटल साक्ष्य को भी इन कानूनों में महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है, जिससे अब इन्हें प्रमाण के तौर पर उपयोग किया जा सकेगा। नुक्कड़ नाटक टीम ने अपने प्रस्तुती में मारपीट, चोरी, ऑनलाईन फ्राड, धोखाधड़ी सहित अन्य नए धाराओं के बारे में जानकारी देते हुए गलत काम नो चान्स, जागरूक नागरिक भूलो मत का नारा दिया।

नए आपराधिक कानूनों के बारे में जनता कम जागरूक है,नए कानून लाभकारी है और आमजनता के हित के लिए है, नए कानूनों में एकरूपता और कड़ाई लाई गई है। पुलिस की इस प्रदर्शनी में लगातार लोगों, युवाओं और छात्रों का आना-जाना लगा हुआ है। पुलिस की यह पहल नए कानूनों की जागरूकता के लिए काफी सराहनीय है।

अनिल गोयल
वरिष्ठ अधिवक्ता

पुलिस की पहल सराहनीय है,ऐसे और प्रर्दशनी का आयोजन होना चाहिए ताकि समाज में जन-जन तक नए कानूनों की जानकारी पहुंचे। इस प्रदर्शनी से ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले इसके लिए प्रदर्शनी को आगे 5 दिवस तक बढ़ाया जाना चाहिए यह जिलेवासियों के हित में होगा।

ओंकार पाण्डेय,वरिष्ठ पत्रकार

आज के युवाओं व नागरिकों को जागरूक करने पुलिस की यह सराहनीय पहल है। नए कानूनों की जानकारी सभी वर्गो को होने से अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगा। युवा और छात्र नए कानून के बदलावों और प्रावधानों को अच्छे से समझ पा रहे है। पुलिस की इस प्रर्दशनी में लोगों का खासा उत्साह देखा जा रहा है।

शैलेष अग्रवाल,उपाध्यक्ष नगर पालिका

कोरिया-सूरजपुर में हाथियों का तांडव...

सलबा-बिशुनपुर से मेण्ड्रा-भुलावार तक तबाही...

25 हाथियों ने खेत रौंदे,घर तोड़े,एक ग्रामीण की मौत

दहशत में किसान... रातभर टॉर्च लेकर कर रहे रतजगा,वन विभाग से तत्काल क्षतिपूर्ति की मांग

- बिशुनपुर में हाथी के हमले ग्रामीण की मौत के बाद सलका में तोड़ा गरीब का आशियाना पांच क्विंटल धान भी खा गए...
- कोरिया सूरजपुर सीमा के हाथियों ने रजपुरी भुलावार मेण्ड्रा में मचाया आतंक धान की फसल रौंदी...
- कोरिया के कछाड़ी,जोगिया,मझगवां और सुरजपुर के किरवाही घुइडी छतरँग में विचरण कर रहा 25 हाथियों का दल...
- हाथियों के दहशत से रतजगा कर रहे ग्रामीण, वन विभाग से क्षतिपूर्ति की मांग...

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,29 नवम्बर 2025 (दैनिक घटती-घटना)।

कोरिया-सूरजपुर सीमा एक बार फिर जंगली हाथियों के आतंक से दहल उठी है। मौसम की मार झेल रहे किसानों पर अब हाथियों का कहर दोहरी चोट बनकर टूट पड़ा है। 25 हाथियों का बड़ा दल बीते तीन दिनों से कछाड़ी-जोगिया-मझगवां (कोरिया) से लेकर किरवाही-घुइडी-छतरंग (सूरजपुर) तक गांव-दर-गांव घूमते हुए धान की फसल रौंधता जा रहा है। बता दे की छत्तीसगढ़ में मौसम की मार झेल रहे किसानों पर जंगली हाथियों के आतंक ने जख्म पर नमक छिड़कने का काम किया है, क्षेत्र में सक्रिय 25 हाथीयो के दल अलग-अलग हिस्सों में स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं और खेतों में किसानों की खड़ी फसल को रौंध कर तबाह कर रहे हैं, मझगवां कछाड़ी जोगिया और सूरजपुर के छतरँग किरवाही में उत्पात मचाने के बाद हाथियों का एक बड़ा दल राष्ट्रीय उद्यान से कोरिया मण्डल के तरफ आया और राष्ट्रीय उद्यान से लगे ग्राम मेण्ड्रा में किसानों की फसल को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुचाया की मेण्ड्रा से लगे खेतों के बड़े रकबे में लगी किसानों की धान की खड़ी फसल को रौंध कर चौपट कर दिया, ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र के गांव में हाथियों का एक बड़ा दल विचरण कर रहा है जिसने यहां किसानों के रातों की नींद उड़ा दी है।

मेण्ड्रा-भुलावार-रजपुरी में भी भारी नुकसान

राष्ट्रीय उद्यान की ओर से आया हाथियों का झुंड सोनहत ब्लॉक के मेण्ड्रा,रजपुरी और भुलावार गांव तक पहुँच गया, यहाँ कई किसानों–सोमारसाय,सुखदेव, बिरझू, नंदलाल,जवाहिर,इंदरसाय–की धान की पूरी फसल बर्बाद हो गई, ग्रामीणों के मिसाई हेतु रखे हुए धान की बोरियों को भी हाथियों ने खा लिया,जिससे किसानों की सालभर की मेहनत मिट्टी में मिल गई।

रातभर टॉर्च लेकर खेतों की रखवाली

हाथियों के लगातार मूवमेंट के कारण ग्रामीण रात भर टॉर्च, मुनिया, ढोल लेकर डटे रहे,वन विभाग द्वारा बार-बार दूरी बनाए रखने की अपील के बावजूद... 'फसल बचाना मजबूरी है'–कहते हुए किसान खतरा उठाकर खेतों तक पहुँचे।

वन अमला मौके पर हाथियों को हटाया,रिपोर्ट तैयार

घटना की सूचना मिलने पर वन अमला प्रभावित गाँवों में पहुँचा,वनकर्मियों ने हाथियों को राष्ट्रीय उद्यान की ओर खदेड़ा,साथ ही क्षति का प्राथमिक आकलन कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है,अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के नजदीक न जाएं–रात में खेतों की ओर अकेले बिल्कुल न जाएं।

सलबा पंचायत–घर तोड़ा, 5 क्विंटल धान बर्बाद...

बैकुण्ठपुर के सलबा पंचायत में हाथियों ने जमडीपारा के मंगल बाबा के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया,घर में रखे 5 क्विंटल धान और आलू की फसल बर्बाद हुई, झोपड़ी टूटने के दौरान घर में सो रहा एक बच्चा घायल भी हुआ,हालांकि अब वह सुरक्षित बताया जा रहा है, वन विभाग के फॉरेस्ट ऑफिसर नरेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर प्राथमिक जांच कर ली है और मुआवजा जल्द दिलाने का आश्वासन दिया है।

बिशुनपुर: हाथियों ने दौड़ाकर बुजुर्ग को मार डाला...

गुरुवार देर रात बिशुनपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई,हाथियों के दल ने बांघपारा निवासी वर्षीय फुलसाय पंडो को दौड़ाकर जान ले ली, तेज रफ्तार मालगाड़ी गुजरने से हाथियों का झुंड डरकर बिखर गया था, उसी दौरान आक्रोशित हाथियों फुलसाय को झोपड़ी तक पहुँच गए, उन्हें सूंड से उठाकर पटक दिया और पैरों तले कुचल दिया,घटना के बाद पूरा क्षेत्र दहशत में है।

सीमा पर 25 हाथियों का कहर : कोरिया-सुरजपुर के खेत रौंदे,किसानों में हाहाकार!

कोरिया-सूरजपुर सीमा निगरानी में भी वन विभाग परेशान

कई दिशाओं में फैले झुंड के कारण वन विभाग को ट्रैकिंग और कंट्रोल में भारी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है,रात के अंधेरे और कड़ाके की ठंड में किसान-ग्रामीण लगातार रतजगा कर रहे हैं और फसल का नुकसान बढ़ता जा रहा है।

तत्काल क्षतिपूर्ति दें : जयचन्द सोनपाकर

कोरिया जन सहयोग समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अधिवक्ता जयचन्द सोनपाकर ने वन विभाग से तत्काल मृतक के परिवार, मकान क्षति और फसल नुकसान का मुआवजा जारी करने की मांग की, उन्होंने कहा-किसानों की साल भर की मेहनत हाथियों ने मिटा दी भरपाई जल्द हो, वरना स्थिति और खराब होगी।

वन विभाग सतर्कता बढ़ाए : प्रकाश साहू

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र साहू ने कहा कि वन विभाग को विशेष सतर्कता अभियान चलाकर प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता व मुआवजा देना चाहिए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर से बीएमओ समेत कई कर्मचारी हटाए गए

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

स्वास्थ्य सेवाओं की गड़बड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में अनियमितताओं की गंभीर शिकायतों के मद्देनजर, सरगुजा संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने एक औचक निरीक्षण कर इस मामले की गंभीरता से जांच की। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारियों की अनुपस्थिति और अन्य अनियमितताओं को पाया, जिसके बाद उन्होंने तत्काल प्रभाव से कठोर कदम उठाए। संभागीय संयुक्त संचालक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर का निरीक्षण 28 नवम्बर की शाम करीब 4.50 बजे किया, जब वह यह जानने के लिए पहुंचे कि क्या यहाँ की स्वास्थ्य सेवाएं ठीक से चल रही हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान कई बड़ी कमियाँ सामने आईं, जिनमें ओपीडी सेवाओं का संचालन निर्धारित समय पर न होना, लैब और दवाइयाँ उपलब्ध नहीं होना, सुरक्षा गार्ड की अनुपस्थिति और कर्मचारियों का गणवेश में न होना प्रमुख थे। इसके अलावा, उपस्थिति पंजी में 10 से 11 कर्मचारी बिना

किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिनमें खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) खुद भी शामिल थे, जो स्वास्थ्य केन्द्र के सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिम्मेदार थे। संभागीय संयुक्त संचालक ने पाया कि बीएमओ की लापरवाही के कारण स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं में अव्यवस्था आई थी। ओपीडी रजिस्टर भी सही तरीके से संधारित नहीं किया गया था, और यह स्पष्ट था कि स्वास्थ्य केन्द्र में कर्मचारियों की उपस्थिति भी नियमित नहीं थी। यह स्थिति मरीजों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रही थी, क्योंकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को अंबिकापुर या लखनपुर की ओर दौड़ने की नौबत आ रही थी। डॉ. शुक्ला ने इस बारे में पहले भी खंड चिकित्सा अधिकारी को नोटिस जारी किया था, लेकिन उनके कार्य में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके चलते स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाएं प्रभावित हो रही थीं, और कर्मचारी भी नियमों के मुताबिक काम नहीं कर रहे थे। ऐसे में डॉ. शुक्ला ने बीएमओ डॉ. योगेन्द्र पैकरा को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया और उनके स्थान पर डॉ. संजीव कुमार तिग्गा को प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया। यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन सुचारु रूप से हो सके और मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा का समुचित लाभ मिल सके।

जन्म दिन के अवसर पर श्री अवधूत भगवान राम सेवा संस्थान लाल मिट्टी पहुंचकर किया बाबा कीनाराम जी के दर्शन पूजन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आज श्री प्रबोध मिंज विधायक लुण्ड्रा अपने जन्म दिन के अवसर पर श्री अवधूत भगवान राम सेवा संस्थान लाल मिट्टी पहुंचकर बाबा कीनाराम के दर्शन पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किये एवं पूज्य संत श्री अवधूत कुमार राम ने विधायक प्रबोध मिंज को फूलों की माला पहनाकर जन्मदिन की

शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा संतो की सेवा और जन सेवा ही असली जन्मदिन है पूज्य श्री अवधूत कुमार राम के सानिध्य में केक काट कर माननीय विधायक महोदय जी का जन्मदिन बड़े धूम-धाम से मनाया गया इस अवसर पर विधायक श्री मिंज ने कहा आज का दिन मेरे लिए सम्मान और आशीर्वाद का दिन है वहीं उनके साथ आए जन प्रतिनिधियों के द्वारा के द्वारा भंडारे में खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया गया तत्पश्चात आदरणीय विधायक महोदय जी वृद्ध आश्रम पहुंचकर फल वितरण किये एवं निज आवास अम्बिकापुर में पुरे दिन क्षेत्रवासियो एवं जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों कर्मचारियों काआगमन होता रहा पुष्प कुछ देकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दिए विधायक महोदय जी कोके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह जी जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव जी श्री हिरा सिंह टेकाम जी श्री गोल्डी सिंह जी एवं आश्रम के अनुयाई एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गिनती में गलती पर टीचर ने 7 साल के बच्चे को बेरहमी से पीटा,आंख में उतर आया खून,सूज गया गाल...

-संवाददाता-

बलरामपुर,29 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में स्कूलों में बच्चों के साथ शिक्षकों की बर्बरता के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में केजी-2 के एक छात्र को होमवर्क नहीं करने पर पेड़ से टी-शर्ट के सहारे बांधने का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब रामानुजगंज क्षेत्र से एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल,रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पलगी स्थित प्राथमिक शाला जावाखाड़ी

में कक्षा एक से कक्षा पांचवीं कक्षा के 30 से 35 बच्चे पढ़ते हैं। रोज की तरह शुक्रवार को बच्चे स्कूल पहुंचे थे। लंच के बाद दूसरी कक्षा में मैथ सब्जेक्ट की क्लास लेने टीचर उदय यादव पहुंचे। उन्होंने छात्र भागीरथी से गिनती सुनाने को कहा। गिनती बोलते समय बच्चे से गलती हो गई। इस पर टीचर पर भड़क गए और अपना नियंत्रण खो बैठे। इतनी सी बात पर उसने बेरहमी से थप्पड़ मारे कि उसकी आंख में खून उतर आया और चेहरा बुरी तरह सूज गया। डरे-सहमे बच्चे ने घर पहुंचकर रोते हुए परिजनों को पूरी घटना बताई। पीड़ित बच्चे के पिता धनंजय यादव ने त्रिकुंडा थाना में शिक्षक उदय यादव के खिलाफ लिखित शिकायत दी। परिजनों का आरोप है कि शिक्षक अक्सर शराब पीकर स्कूल आते हैं और घटना वाले दिन भी नशे में थे।

झोला छाप डॉक्टर के दिए गए दवा से किशोरी की बिगड़ी तबियत,हो गई मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पेट दर्द की शिकायत पर परिजन किशोरी का इलाज झोला छाप डॉक्टर से करा रहे थे। तबियत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन 28 नवंबर की रात को उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार लक्ष्मी वैष्णु पिता राजेश्वर प्रसाद वैष्णु उम्र 14 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम नावापारा खुर्द की रहने वाली थी। इसकी बड़ी बहन मोकेश्वर वैष्णु ने पुलिस के समक्ष बयान दिया है कि 26 नवंबर को लक्ष्मी के पेट में दर्द होने पर उसे इलाज के लिए दरिमा के करजी स्थित एक झोला छाप डॉक्टर पास परिजन ले गए थे। यहं झाला छाप डॉक्टर ने एक इंजेक्शन लगाया और दवाइयां दी थी। इसके बाद उसे घर में ही रखकर दवा खिला रहे थे।

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

आनंदपुर नर्सरी में गूँजी क्रांतिकारी एकता-पत्रकारों व समाजसेवियों ने दी नई दिशा

कोरिया-एमसीबी की नई कार्यकारिणी शीघ्र गठित करने का संकल्प, पत्रकार सुरक्षा, वॉच-डॉग

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,29 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन नई दिल्ली (छत्तीसगढ़ इकाई) की कोरिया जिला स्तरीय बैठक आज आनंदपुर नर्सरी स्थित कटगोड़ी रेस्ट हाउस में ऊर्जावान माहौल और मजबूत संकल्प के साथ सम्पन्न हुई, बैठक की अध्यक्षता आदित्य गुप्ता (अंबिकापुर) ने की, जिनके मार्गदर्शन में संगठनात्मक मजबूती, पत्रकार हित, सुरक्षा और क्षेत्रीय मीडिया की चुनौतियों पर कई निर्णायक प्रस्ताव पारित किए गए,इस बैठक में पत्रकारों के साथ-साथ कोरिया जन सहयोग समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को व्यापक सामाजिक आयाम दिया। इससे यह स्पष्ट संदेश गया कि पत्रकारिता और समाज सेवा–दोनों के संयुक्त प्रयास से ही समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव है। पत्रकार-समाजसेवी एकता की गूंज, संगठन विस्तार व पत्रकार सुरक्षा पर जोर बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि कोरिया व एमसीबी जिला कार्यकारिणी अत्यंत शीघ्र गठित की जाएगी, पत्रकारों पर होने वाले उत्पीड़न के मामलों में संगठन एकजुटता के साथ खड़ा रहेगा, क्षेत्र की समस्याओं को समाचारों में प्राथमिकता देने का संकल्प, पंचायत स्तर पर मीडिया मित्र नियुक्त करने पर चर्चा संगठन विस्तार से लेकर पत्रकार सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित रिपोर्टिंग की आवश्यकता पर सभी वक्ताओं ने जोर दिया।

बहुप्रतीक्षित निर्णय, जल्द बनेगी कोरिया-एमसीबी कार्यकारिणी, बैठक के मुख्य निष्कर्ष

- कोरिया व एमसीबी जिला कार्यकारिणी अति शीघ्र
- सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी दिया जाएगा प्रतिनिधित्व
- पंचायत स्तर पर 'मीडिया मित्र' की नियुक्ति
- पत्रकार-अधिकार, उत्पीड़न विरोध व सुरक्षा–मुख्य एजेंडा
- यह निर्णय क्षेत्रीय मीडिया को नई दिशा देगा और युवा अनुभवी पत्रकारों को साझा मंच प्रदान करेगा।

चुनौतियाँ बढ़ी हैं एकता ही शक्ति है' : आदित्य गुप्ता

अध्यक्षता करते हुए आदित्य गुप्ता ने कहा संवाद की भाषा बदल चुकी है, सूचना का प्रवाह बेहद तीव्र है और चुनौतियाँ पहले से ज्यादा जटिल। ऐसे समय में पत्रकारों का संगठित होना किसी क्रांति से कम नहीं, उन्होंने जोर दिया कि मजबूत संगठन ही पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा कर सकता है, एकता,पारदर्शिता और सकारात्मक नेतृत्व ही आधुनिक पत्रकारिता का आधार है, कोरिया-एमसीबी की नई कार्यकारिणी क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करेगी।

वॉच-डॉग और एडवोकेसी पत्रकारिता पर बल, संपादक एस.के. रूप का मार्गदर्शन

संपादक एस.के. रूप ने कहा कर्मण्येवाधिकारस्ते आप अपना कर्म करते रहिए, फल की चिंता न करें। आज जरूरत वॉच-डॉग पत्रकारिता की है ऐसी पत्रकारिता जो मुद्दे उठाए,और तब तक न छोड़े जब तक समाधान न हो, उन्होंने यह भी कहा अच्छे लेखन और वक्तृत्व के लिए स्वाध्याय जरूरी, पढ़ने वाला ही सुनने योग्य और लिखने योग्य बनता है, पत्रकारिता का उद्देश्य जनहित व सच को प्रखरता से सामने लाना।

पत्रकार समाज एक साथ हों तो बदलाव अपरिहार्य

राजन पाण्डेय व अजय गुप्ता-दोनों ने कहा जब मीडिया और समाज एक साथ खड़े होते हैं, तब बदलाव केवल संभव नहीं–अपरिहार्य हो जाता है, उन्होंने संगठन को, पत्रकारों के हक़ की लड़ाई,न्याय व पारदर्शिता, सामाजिक उन्नयन की संयुक्त शक्ति बताया।

कोरिया जन सहयोग समिति का भी मजबूत समर्थन

बैठक में समिति के पदाधिकारी पुष्पेंद्र राजवाड़े,राजकुमार साहू, जयप्रकाश राजवाड़े, बालकरण सोनपाकर, उमा शंकर राजवाड़े, बलबीर पोषम, संतोष कुमार, अजय राजवाड़े, नीलेश साहू आदि शामिल रहे और संगठन के प्रयासों की मुक्त सराहना की।

संगठन जितना मजबूत–पत्रकारिता उतनी विश्वसनीय-

आज की बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया कि पत्रकारिता सिर्फ लिखने का काम नहीं, बल्कि समाज और लोकतंत्र को मजबूत करने का दायित्व है, एकता, संगठन और सकारात्मक नेतृत्व से ही कोरिया जिले में पत्रकारिता नई ऊँचाइयाँ छुएगी।

2 माह से वेतन नहीं, बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली भी लंबित

एनएचएम कर्मचारियों में बढ़ती निराशा और आक्रोश

-संवाददाता-

सूरजपुर,29 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

राज्य के 16,000 से अधिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है,जिससे कर्मचारी गहरे सामाजिक-आर्थिक संकट में फँस गए हैं,परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की फीस, किराया, बैंक किस्त और दैनिक खर्च पूरे करना मुश्किल होता जा रहा है, कर्मचारियों में मानसिक तनाव, असुरक्षा और असंतोष तेज़ी से बढ़ रहा है।

आंदोलन समाप्ति के बाद बनी सहमति, फिर भी बहाली अटकी

मुख्यमंत्री,स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आश्वासन का पालन नहीं हालिया आंदोलन के दौरान कई एनएचएम कर्मचारियों को सेवा से पृथक कर दिया गया था, मुख्यमंत्री, माननीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्पष्ट आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त किया गया था,आश्वासन दिया गया था कि सभी बर्खास्त कर्मचारियों की निःशर्त बहाली की जाएगी, विषय को कैबिनेट बैठक में रखकर निर्णय लिया जाएगा लेकिन दो माह से अधिक समय बीत चुका है, इस दौरान तीन कैबिनेट बैठकें हो चुकी हैं, फिर भी बहाली आदेश अब तक जारी नहीं किए गए हैं, इस देरी से प्रभावित कर्मचारियों के साथ-साथ पूरे एनएचएम कार्मिकों में गहरी निराशा,अविश्वास और आक्रोश पैदा हो रहा है।

संघ का बयान आश्वासन पूरा न होना अत्यंत खेदजनक

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी एवं प्रदेश महासचिव कौशलेश तिवारी ने कहा सरकार से सकारात्मक चर्चा और सद्भावना के साथ आंदोलन समाप्त किया गया था किन्तु आश्वासन का पालन न होना अत्यंत खेदजनक है और यह कर्मचारियों के हितों के प्रतिकूल है।

सूरजपुर में कलेक्टर को ज्ञापन

प्रदेश प्रवक्ता पूरन दास ने बताया कि राज्य भर के लगभग 16,000 एनएचएम कर्मचारी इन मांगों को लेकर अपने-अपने जिलों में, कलेक्टर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप रहे हैं, आज सूरजपुर जिले में जिलाध्यक्ष बृजलाल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर महोदय को सौंपा गया और लंबित वेतन व वार्षिक वेतन वृद्धि का तत्काल भुगतान करने का निवेदन किया गया।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगें

दो माह का लंबित वेतन तत्काल भुगतान किया जाए, आंदोलन काल में सेवा से पृथक किए गए सभी कर्मचारियों की तत्काल बहाली की जाए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव के प्रथम कोरिया आगमन पर भव्य स्वागत

करमा नृत्य,ढोल,नगाड़े और आतिशबाजी के बीच कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,29 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव के प्रथम कोरिया आगमन पर आज खरवत चौक में अभूतपूर्व स्वागत देखने को मिला। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने करमा नृत्य, ढोलङ्गनगाड़ों, आतिशबाजी और फूल वर्षा के साथ प्रदेशाध्यक्ष का गर्मजोशी से अभिनंदन किया, पूरे चौक में उत्साह और ऊर्जा का माहौल रहा, कार्यकर्ताओं की लंबी कतारें स्वागत के लिए खड़ी थीं।

जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में शक्ति प्रदर्शन

स्वागत समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के साथ बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और विभिन्न मोर्चा संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजपा संगठन में जोरदार उत्साह

प्रदेशाध्यक्ष के स्वागत में जुटी भीड़ ने यह स्पष्ट किया कि संगठन कोरिया में पूरी मजबूती के साथ सक्रिय है, पूरे कार्यक्रम में उत्सव जैसा माहौल रहा और कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेतृत्व के प्रति समर्थन व उत्साह का संदेश दिया।

वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व नपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल, बसंत राय,राजेश सिंह, अनिल साहू, रविशंकर राजवाड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण जायसवाल, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, शिव कुमारी सोनपाकर, ईश्वर राजवाड़े, चुन्नी पैकरा, प्रदीप तिवारी, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, उपाध्यक्ष प्यारे साहू, जिला सह कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चक्रधारी, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला कार्यालय मंत्री मंजू जिवनानी, जिला सह मीडिया प्रभारी वर्षा साहू, जिला सोशल मीडिया संयोजक जगनारायण साहू, सह संयोजक राकेश गुप्ता, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े,महामंत्री संगीता गुप्ता, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष नरेश्वर रजक, अल्प संख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अरशद खान, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, रामलखन यादव, मैनेजर राजवाड़े, संजय चिकनजूरी, किशोर सिरदार, राजाराम राजवाड़े, रमन गुप्ता, मनोज साहू, सुरेश राजवड़े, सचिदानंद द्विवेदी, सुशीला साहू, रीता यादव, रामाशंकर सिंह, सचिन मलिक, मुन्ना चक्रधारी, सुभाष साहू, बिजेन्द्र जायसवाल, अवधबिहारी जायसवाल, सुरेन्द्र चक्रधारी, संतोष राजवाड़े, सुखदेव राजवाड़े, रामाशंकर उईके, धीरेन्द्र साहू, सुरेश सिरदार, मनोज सोनवानी, प्रियंक सिंह, साक्षी सिंह, रमावती राजवाड़े सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

अब बीएमओ ने एनएच पर मनाया बर्थ-डे

हाईकोर्ट के निर्देशों की उड़ाई धज्जियां, कार के बोनट पर काटा केक

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,29 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

बीच सडक़ पर केक काटकर जन्मदिन मनाने का सिलसिला जारी है। इसमें अधिकारी से लेकर कर्मचारी व नेता तक पीछे नहीं हैं। हाई कोर्ट के आदेश के अवहेलना करते हुए ऐसे लोग अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। इसी बीच कोरिया जिले के सोनहत बीएमओका नेशनल हाइवे पर कार के बोनट पर केक काटकर जन्मदिन मनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। केक काटने के दौरान जमकर आतिशबाजी भी की जा रही है। वायरल वीडियो 28 नवंबर की रात का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में केक काट रहा शख्स कोरिया जिले के सोनहत अस्पताल में पदस्थ बीएमओ अनीत बखला का है। बीएमओ का 28 नवंबर को जन्मदिन था। जन्मदिन को उन्होंने अपने दोस्तों के साथ मनाया। उन्होंने बैकुंठपुर गेज नदी पुल के पास नेशनल हाइवे क्रमांक-43 पर ब्लैक कलर की कार क्रमांक सीजी 16 सीआर- 0016 खड़ी की। फिर कार की बोनट पर केक रखकर काटा। इस दौरान उनके दोस्त भी साथ थे, जो हेप्पी बर्थडे सॉग गा रहे थे। इस दौरान जमकर आतिशबाजीभी की गई। मौके पर मौजूद दोस्तों ने ही अपने मोबाइल में इसका वीडियो बनाया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री के करीबी ने भी मनाया था बर्थ-डे

करीब डेढ़ महीने पूर्व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के करीबी नेता व सहायक निज सचिव ने भी अपनी पत्नी का बीच सडक़ पर कार पर केक काटकर बर्थडे सेलिब्रेट किया था। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज किया था। देखने वाली बात होगी कि क्या बीएमओ के खिलाफ भी पुलिस कोई ठोस कदम उठाएगी?

जिला पंचायत कोरिया की सामान्य सभा बैठक हुई संपन्न, अध्यक्ष ने धान खरीदी को लेकर दिए

-संवाददाता-

बैकुंठपुर, 29 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जिला पंचायत की सामान्य सभा बैठक दिनांक 27 नवंबर को सम्पन्न हुई,बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,सभापतिगण सहित जिला पंचायत सदस्यों ने भाग लिया,बैठक में जिला पंचायत सीईओ सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए,बैठक कार्यवाही के दौरान धान खरीदी को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा ने कड़े निर्देश जारी किए,जिला पंचायत अध्यक्ष ने सहकारिता विभाग एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को यह हिदायत दी कि किसी भी हाल में धान बेचने धान खरीदी केंद्र पहुंचा किसान परेशान नहीं होना चाहिए,उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना किसानों के हित में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जो अन्नदाता किसानों को सम्पन्नता प्रदान करने की योजना है,इस योजना के तहत किसानों को जहां बेहतर समर्थन मूल्य प्राप्त होता है वहीं किसानों को धान विक्रय के दौरान सरकार कई सुविधा भी प्रदान करती है,जिसमें बारदाना प्रदान करना,सूजा सुतली प्रदान करना,हम्माल नियुक्त कर धान की बोरियों को स्टैग पर चढ़ाना,इन सुविधाओं की प्रदायता प्रत्येक किसान को हो यह ध्यान रखा जाए और इसे एक निर्देश स्वरूप स्मरण अधिकारी कर लें,उन्होंने कहा कि किसानों की तरफ़ से किसी प्रकार की कोई शिकायत,मुफ्त सुविधाओं के संबंध में उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी,अध्यक्ष ने साफ तौर पर यह कहा कि किसानों के संबंध में प्रदेश सरकार संवेदनशील है और जिले के अधिकारी भी वही संवेदनशीलता अपनाएं जिससे वह आसानी से और सरलता से अपनी उपज विक्रय कर सकें। बैठक में आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त,वन विभाग ,लोक निर्माण विभाग,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को भी अध्यक्ष ने यह निर्देश दिया कि जिले में सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से हो यह सभी ध्यान रखें,जमीनी स्तर पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो यह सभी ध्यान

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए कौशल कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरुष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें।
स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।
पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना
शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर
छत्तीसगढ़, मो.नं. - 98265-32611

कार्यालय नगर पंचायत-लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग)

Ph. 07774-261501 Email: cmolakhanpur@gmail.com

क्रमांक/1247/लो.नि./ न.पं./ 2025-26 लखनपुर, दिनांक-28/11/25

प्रथम ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नगर पंचायत लखनपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है -

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
180357	12.19	9500/-	28/11/2025 After 17.30PM	19/12/2025 Before 17.30 PM	23/12/2025 Before 14.00 PM	26/12/2025 After 15.00 PM
180358	27.92	21000/-				
180359	57.26	43000/-				
180360	37.87	28500/-				
180361	16.53	12500/-				
180362	12.26	9500/-				
180363	27.92	21000/-				
180364	63.98	48000/-				
180365	27.13	20500/-				
180366	23.87	18000/-				
180367	41.43	31500/-				
180381	13.50	10500/-				

टीप- 01. उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेत व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https:cgeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
02. विज्ञापन की प्रति https:cg.uad.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

कांग्रेस ने दोनों जिलों में पुराने जिलाध्यक्षों पर ही विश्वास जताया,बदलाव की तमाम अटकलें धरी की धरी रह गईं...

भाजपा जहाँ हर बार नया जिलाध्यक्ष लाती है, कांग्रेस वहीं पुराने को ही दोहराने में भरोसा रखती है...

संगठन परिवर्तन में कांग्रेस और भाजपा की शैली में ज़मीन-आसमान का फर्क फिर एक बार साफ दिखा...

भाजपा में जिलाध्यक्ष दोहराए जाने का इतिहास दुर्लभ,कांग्रेस में यह वर्षों पुरानी परंपरा

भाजपा 'नया चेहरा नीति' पर चलती है, जबकि कांग्रेस यथावत मॉडल को ही सुरक्षित मानती है...

कांग्रेस में जिलाध्यक्ष कार्यकर्ताओं की पसंद से नहीं, बड़े नेताओं के संकेत पर तय....संगठनात्मक लोकतंत्र सवालों में...

पर्यवेक्षक, रायशुमारी, कार्यकर्ता संपर्क अभियान सब औपचारिकता ? कोरिया एमसीबी की नियुक्तियाँ कई प्रश्न खड़े करती हैं...

कोरिया एमसीबी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष यथावत

क्या परंपरा भी यथावत ?

-रवि सिंह-

कोरिया/एमसीबी,29 नवंबर 2025(घटती-घटना)। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में नए जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी है, लेकिन नए जिलाध्यक्ष शब्द का अर्थ कोरिया और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में लागू नहीं होता, क्योंकि यहाँ कांग्रेस ने पुरानों को ही यथावत रखकर वही परंपरा दोहराई है जो पार्टी में वर्षों से चली आती है, दिलचस्प बात यह है कि जिन जिलों में कार्यकर्ताओं से अभिमत लेने,पर्यवेक्षकों को भेजने और जमीनी फीडबैक जुटाने की बड़ी प्रक्रिया चलाई गई–उसका कोरिया-एमसीबी में कोई प्रभाव दिखा ही नहीं,स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट या तो ऊपर तक पहुँची ही नहीं...या पहुँचकर भी किसी ने खोली नहीं। निर्णय वही हुआ जो बड़े नेताओं ने महीनों पहले तय कर रखा था।

बता दे की अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिलों के लिए नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति सूची जारी कर दी।विगत महीनों में पार्टी के द्वारा जिलाध्यक्षों के चयन के लिए जो कार्यकर्ता संपर्क अभियान जारी था जिसमें प्रभारी पर्वेक्षक अन्य राज्यों से नियुक्त किए गए थे,पार्टी द्वारा जिनका काम पार्टी कार्यकर्ताओं से उनका अभिमत प्राप्त कर पार्टी को अवगत कराना था, और उसी आधार पर जिलाध्यक्षों का चयन होना था,ऐसी प्रकिया पार्टी द्वारा निर्धारित थी, उस रिपोर्ट के बाद यह सूची जारी हुई है ऐसा कहा जा सकता है,अब पार्टी द्वारा जिन्हें नियुक्त किया गया है यदि नए जिलाध्यक्षों की उक्त सूची का अध्ययन किया जाए तो कोरिया और कोरिया से अलग हुए एमसीबी जिलें में वर्तमान जिलाध्यक्ष ही दोबारा जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं कहा जाए तो वह दोहराए गए हैं, दोनों जिले में वर्तमान ही यथावत होंगे, वैसे नियुक्ति सूची जारी होने के बाद यह सवाल जरूर खड़ा होता है कि क्या कांग्रेस ने अपनी परंपरा बरकरार रखने के लिए कोरिया एमसीबी जिले में वर्तमान को ही यथावत रखा,कांग्रेस में आंतरिक बदलाव क्या आवश्यक नहीं माना जाता,क्या नए लोगों को लेकर पार्टी तैयार नहीं होना चाहती किसी नियुक्ति मामले में, यह भी सवाल खड़ा होता है,जारी सूची तो यही बताती है कि परंपरा का निर्वहन किया गया और वर्षों पुरानी परंपरा कोरिया एमसीबी जिले में कायम रही,वैसे कांग्रेस के नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति सूची जारी होने के बाद अब भाजपा की भी और भाजपा में पार्टी संगठन में नियुक्तियों की भी बात हो रही है और यह भी सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या भाजपा हर बार अपने लिए नए लोगों को ,अलग अलग लोगों को पद या नियुक्ति प्रदान करने में विश्वास रखती है,वैसे भाजपा में संगठन के विषय में यह देखने को मिलता है कि पार्टी में जिलाध्यक्ष यथावत नहीं रखे जाते बदलाव को पार्टी महत्व देती है और हर बार नए लोगों को मौका देने की पार्टी में परंपरा है,भाजपा में एकाध बार कभी यथावत की स्थिति आई होगी अन्यथा भाजपा संगठन में हर बार नए लोगों को ही महत्व देती है. कोरिया एमसीबी के लिए कांग्रेस पार्टी ने जिन्हें जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है यदि कार्यकर्ताओं की माने तो दोनों की जगह अलग अलग लोगों की सहमति कार्यकर्ताओं ने प्रदान की थी वहीं कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि वह यह भी जानते थे कि इन जिलों में यथावत की संभावना ज्यादा है जो देखने को भी मिला,कार्यकर्ताओं के अनुसार दोनों जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में बड़े नेताओं ने निर्णय लिया और पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट या तो बड़े नेताओं के अनुसार ही ऊपर भेजी गई या उसे नजरअंदाज किया गया वरना दोनों जिलों में पुनरावृत्ति की स्थिति संभव नहीं होती।

राजनीतिक विश्लेषण

कांग्रेस द्वारा कोरिया और एमसीबी दोनों जिलों में जिलाध्यक्षों को यथावत रखने का फैसला उस लंबे समय से चली आ रही परंपरा पर फिर मुहर लगा गया है जिसमें संगठनात्मक लोकतंत्र की जगह शीर्ष नेतृत्व की पसंद अधिक प्रभावी रहती है। भाजपा जहाँ हर बार जिलाध्यक्ष बदलकर नया चेहरा, नया प्रबंधन का संदेश देती है, वहीं कांग्रेस वर्षों से एक ही मॉडल पर अडिग दिखाई देती है, जिसमें दोहराव को स्थिरता समझा जाता है, पर्यवेक्षकों की तैनाती, कार्यकर्ताओं से अभिमत लेने की प्रक्रिया और रायशुमारी की कवायद – यह सब कोरिया-एमसीबी में केवल औपचारिकता साबित हुई। स्थानीय कार्यकर्ताओं का दावा है कि निर्णय पहले से तय था और नया चयन सिर्फ प्रतीक्षारत औपचारिक आदेश भर था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिलाध्यक्षों के यथावत रहने के साथ ही 2028 के विधानसभा प्रत्याशियों का संकेत भी लगभग साफ हो गया है। दोनों जिलों में पुराने दावेदारों की वापसी की चर्चा तेज है, खासकर उस समय जब दो पूर्व विधायक क्षेत्र से महीनों से अनुपस्थित हैं और टिकट की राजनीति में बैक-डोर एंट्री की थ्योरी ने नया जोर पकड़ लिया है, कांग्रेस इस निर्णय से क्या मजबूत हुई या और असंतोष पैदा हुआ – इसका जवाब आने वाले महीनों में मैदान बताएगा।

प्रोपेगेंडा के बीच यथावत का विश्वास

कोरिया जिले की राजनीति में कुछ अलग हो जाए आश्चर्यजनक हो जाए यह तो मुमकिन नहीं, यहां की राजनीति में सभी को पता है कि परिणाम क्या होगा इसीलिए विश्वास भी उनका वही रहता है और इस विश्वास पर मोहर लगती है, कुछ ऐसा ही कोरिया जिले के कांग्रेस जिलाध्यक्ष को यथावत होने पर देखने को मिला, जिलाध्यक्ष बदलेंगे ऐसा प्रोपेगेंडा नजर आया पर यथावत का विश्वास लोगों को पहले से ही था, जिस पर मोहर लगी, मोहर भी उस व्यक्ति पर लगी जिनके कार्यकाल में ना तो विधायक बचा ना जिला पंचायत और ना जनपद,न नगरीय निकाय,आखिर किस कार्यप्रणाली,कार्यकुशलता पर यथावत का पुरस्कार मिला यह समझ से परे है।

कांग्रेस की परंपरा बनाम भाजपा की परंपरा

कांग्रेस जहाँ जिलाध्यक्षों को दोहराने की परंपरा बनाए रखती है, वहीं भाजपा 20 वर्षों में शायद ही कभी अपने जिलाध्यक्ष को दोहराती है, भाजपा संगठन संरचना में हर बार नया चेहरा एक स्पष्ट नीति की तरह दिखता है, जबकि कांग्रेस में यथावत ही सबसे सुरक्षित का चलन वर्षों से चलता आ रहा है, कोरिया-एमसीबी की ताज़ा नियुक्तियाँ इसी परंपरा पर फिर मोहर लगा गईं।

कार्यकर्ताओं का दावा

हमने नए नाम सुझाए थे, 'ऊपर' ने नहीं माना- कांग्रेस के कई सक्रिय कार्यकर्ताओं का कहना है हमने दोनों जिलों में अलग-अलग नामों पर सहमति दी थी। लेकिन हमें पहले से पता था कि बड़े नेताओं ने यथावत रखने का मन बना लिया है, पर्यवेक्षक सिर्फ औपचारिकता के लिए आए थे, जिनके कार्यकाल में न विधायक बचा, न जिला पंचायत, न जनपद, न नगरीय निकाय–उन्हें फिर जिलाध्यक्ष बना देनाज यह पार्टी के 'एंटी-परफॉर्मेंस रिवॉर्ड' जैसा लगता है।

जिलाध्यक्ष यथावत-2028 के टिकट भी 'लगभग तय' ?

कांग्रेस की इस नियुक्ति के तुरंत बाद पार्टी दफ्तरों और सोशल मीडिया पर एक बड़ी चर्चा शुरू हो गई जिलाध्यक्ष नहीं बदले...इसका मतलब 2028 के विधानसभा प्रत्याशी भी तय हो गए, बैकुंठपुर पूर्व विधायक, जिन्होंने पिछले चुनाव में करारी हार झेली अब फिर से प्रत्याशी बनने की तैयारी में मानी जा रही हैं, जिलाध्यक्ष को यथावत रखकर ÷टिकट की राह साफ करने का संदेश समझा जा रहा है, मनेंद्रगढ़ नगर निगम चुनाव में हार झेल चुके पूर्व विधायक फिर दावेदार माने जा रहे हैं, चर्चा यह भी है कि जिलाध्यक्ष को इसलिए यथावत रखा गया ताकि वर्तमान जिलाध्यक्ष खुद दावेदारी न कर सकें और पूर्व विधायक की दावेदारी सुरक्षित रहे।

प्रोपेगेंडा बनाम विश्वास-कोरिया में जिलाध्यक्ष बदलेगा,यह कोई मान ही नहीं रहा था...

कोरिया जिले में लंबे समय से यह धारणा रही है कि यहाँ राजनीति में कुछ नया हो ही नहीं सकता, भले ही जिलाध्यक्ष बदलने का प्रोपेगेंडा हवा में घूमाज स्थानीय राजनैतिक हलकों में अधिकांश लोग पहले से ही जानते थे कि परिणाम वही होगा जो हुआ, और हुआ भी वही जिस कार्यकाल में कांग्रेस ने कोरिया-एमसीबी में तीनों विधानसभा सीटें, जिला पंचायत,जनपद और नगरीय निकाय तक गँवा दिए उसी कार्यकाल को दोबारा मान्यता दे दी गई।

डॉ. विनय जायसवाल–क्या बैक डोर एंट्री की तैयारी ?

मनेंद्रगढ़ के पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल पिछले कई महीनों से राजनीतिक गतिविधियों से गायब हैं, नगर निगम चुनाव में बड़ी हार के बाद उन्होंने क्षेत्र में आना लगभग बंद कर दिया है, सूत्रों का दावा डॉ. जायसवाल अब बैक डोर एंट्री के रास्ते तलाश रहे हैं, वे कांग्रेस के एक बड़े नेता की लगातार सेवा-संगत में लगे हैं, जिन्हें इस जिलाध्यक्ष नियुक्ति का मास्टरमाइंड भी माना जाता है, यदि यह सही है, तो 2028 के टिकट का पहला संकेत कांग्रेस ने आज ही दे दिया है।

नेता बनना है लेकिन क्षेत्र में नहीं रहना...दोनों जिलों के दावेदारों पर सवाल

कोरिया और एमसीबी के दो पूर्व विधायक हार के बाद से लगातार क्षेत्र से गायब हैं, लोगों के सुख-दुःख में दिखना तो दूर,गाँव-गाँव,पंचायत-वार किसी की नजर में नहीं आते, ऐसे में सवाल उठ रहा है क्या कांग्रेस अब भी उन दावेदारों पर दांव लगाएगी जो जमीन से पूरी तरह कटा हुआ जीवन जी रहे हैं?

भरतपुर-सोनहतः एकमात्र अपवाद

इन दो जिलों में एकमात्र सक्रिय पूर्व विधायक भरतपुर-सोनहत के हैं, बाकी दो सीटों पर पूर्व विधायक चुनाव हारने के बाद या तो मिस्टर इंडिया बने हुए हैंज या बड़े नेताओं के इर्द-गिर्द घूमते हुए टिकट की लाइन में लगे हैं।

जिलाध्यक्षःटिकट संकेत

कोरिया और एमसीबी में जिलाध्यक्ष यथावत होने का संदेश 2028 के टिकटों को लगभग स्पष्ट कर देता है दोनों जिलों में वही पुराने दावेदार फिर लाइन में माने जा रहे हैं।

बैक डोर एंट्री थ्योरी मजबूत

दो पूर्व विधायक क्षेत्र छोड़ चुके हैं लेकिन बड़े नेताओं की परिक्रमा कर रहे हैं,यह संकेत है कि पासा ऊपर से फेंका जाएगा, जमीन से नहीं।

कांग्रेस में 'हार के बाद भी दावेदारी कायम' मॉडल

2023 में तीनों सीटें हारने के बाद भी उम्मीदवारी उन्हीं चेहरों की ओर लौटती दिख रही है, यह कार्यकर्ताओं में असंतोष का बड़ा कारण बन सकता है।

भाजपा की आक्रामक तैयारी 2028 के लिए फायदेमंद

भाजपा जिलाध्यक्ष/संगठन में परिवर्तन लाकर 2028 के लिए नया चेहरा नया प्रबंधन मोड में प्रवेश कर चुकी है,कांग्रेस के यथावत निर्णय भाजपा को मनोबल बढ़ाने वाला वातावरण देता है।

ग्राउंड पर दो सीटों में कांग्रेस के दावेदार गायब

मनेंद्रगढ़ और बैकुंठपुर में पूर्व विधायक-पूर्व प्रत्याशी,हार के बाद से क्षेत्र में मौजूद नहीं हैं,जमीन खाली है,इसका सीधा लाभ भाजपा को मिल सकता है।

2028 में कांग्रेस को विरोध नहीं,असंतोष से खतरा

कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं होगी बल्कि आंतरिक असंतोष, कार्यकर्ता दूरी,और थोपे हुए निर्णय,यह तीनों मिलकर 2028 में पार्टी के लिए सबसे बड़ा संकट बन सकते हैं।

पत्रकार के विचार...

कांग्रेस ने कोरिया-एमसीबी में परिवर्तन नहीं, परंपरा चुनी, पर्यवेक्षकों का अभियान औपचारिकता साबित हुआ, 2028 के प्रत्याशी लगभग स्पष्ट हो चुके हैं, जिले के बड़े नेता अब भी संगठन की रीढ़ नहीं बने–निर्णय ऊपर से थोपे गए, भाजपा का नया चेहरा मॉडल और कांग्रेस का यथावत मॉडल–दोनों की तुलना तेज़ी से सामने आ गई।

भाजपा हर बार नया चेहरा,कांग्रेस में यथावत मॉडल–क्या बदलाव से डरती है पार्टी ?

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चयन में फिर परंपरा मजबूत,कोरिया और एमसीबी में एक इंच भी बदलाव नहीं, कार्यकर्ताओं की राय से नहीं,बड़े नेताओं की मर्जी से तय होते जिलाध्यक्ष–संगठनात्मक लोकतंत्र सवालों में,भूमिगत असंतोष गहरा,संपर्क अभियान और रायशुमारी पूरी तरह रस्म-अदायगी साबित, 2028 का संकेत! जिलाध्यक्ष यथावत–अब विधानसभा टिकट भी तय? पूर्व विधायकों की संभावनाएँ मजबूत, क्षेत्र से गायब दावेदारों की बैक-डोर लाइन चर्चा में।

कांग्रेस बनाम भाजपा – जिलाध्यक्ष परंपरा तुलना चार्ट

विषय	कांग्रेस	भाजपा
जिलाध्यक्ष बदलने की परंपरा	बहुत कम बदलाव, यथावत मॉडल	लगभग हर बार परिवर्तन,नया चेहरा मॉडल
कार्यकर्ता राय का महत्व	औपचारिक प्रक्रम, अंतिम निर्णय बड़े नेताओं का	संगठनात्मक सर्वसम्मति, जिला-स्तर की रिपोर्ट निर्णायक
पर्यवेक्षक की रिपोर्ट	अक्सर अनसुनी/नजरअंदाज	रिपोर्ट मुख्य आधार
दोहरे कार्यकाल की प्रवृत्ति	सामान्य, कई जगह लगातार 2 3 टर्म	दुर्लभ, 1 टर्म के बाद बदलाव
टिकट राजनीति पर प्रभाव	जिलाध्यक्ष = संभावित प्रत्याशी का संकेत तय करता है	जिलाध्यक्ष बदलना = नए दावेदारों के लिए रास्ता
2023-25 का ट्रेंड (कोरिया एमसीबी)	दोनों जिलों में यथावत	2026 27 में जिले बदलने की तैयारी की चर्चा
आंतरिक लोकतंत्र की छवि	कमजोर – निर्णय शीर्ष नेतृत्व	मजबूत – संगठनात्मक वोटिंग/पर्यवेक्षण
राजनीतिक संदेश	'स्थिरता या पसंदीदा व्यक्ति को सुरक्षा'	'परिवर्तन, प्रयोग और अवसर'

ईफी में लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान मिलने पर भावुक हुए रजनीकांत

तमिल लोगों के लिए कह दी ये बात

रजनीकांत को गोवा में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला। जो उनके सिनेमा में 50 साल पूरे होने और भारतीय सिनेमा में योगदान का जश्न मनाता है। यह सम्मान पाकर रजनीकांत काफी इमोशनल हो गए।

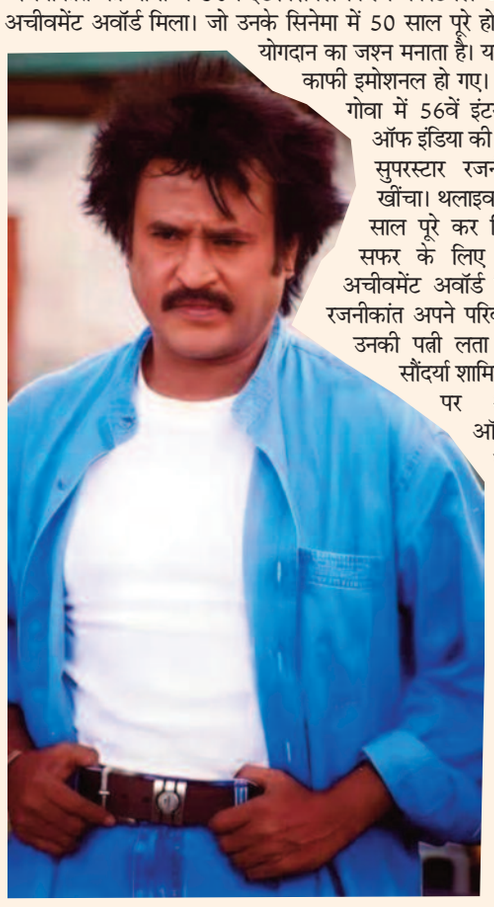

गोवा में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया की क्लोजिंग सेरेमनी में साउथ सुपरस्टार रजनीकांत ने सबका ध्यान खींचा। थलाइवा ने भारतीय सिनेमा में 50 साल पूरे कर लिए हैं और इस शानदार सफर के लिए उन्हें मशहूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। 74 साल के रजनीकांत अपने परिवार के साथ आए, जिसमें उनकी पत्नी लता और बेटियां ऐश्वर्या और सौंदर्या शामिल थीं और जैसे ही वे स्टेज पर आए, खचाखच भरे ऑडिटोरियम में उनका जोरदार स्वागत किया गया।

मंच पर भावुक हुए थलाइवा

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रजनीकांत को एक खास शॉल और एक चमकता हुआ यादगार तोहफा दिया। पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पल में रजनीकांत काफी भावुक हो गए और उन्होंने स्टेज पर पूरे देश को संबोधित करते हुए अपनी सफलता का श्रेय उनके साथ फिल्म में काम करने वाले सभी टेक्निशियन और क्रू मेंबर्स को भी दिया।

तमिल कम्यूनिटी को समर्पित किए सभी सम्मान

अपने करियर को याद करते हुए एक्टर ने कहा कि एक्टिंग के लिए उनका जुनून कभी खत्म नहीं होगा। इसीलिए 5 दशक का करियर उन्हें 10 साल के जैसा लगा। उन्होंने उन ऑडियंस के लिए गहरा प्यार दिखाया जिन्होंने शुरू से ही उनका साथ दिया है और कहा कि 100 जन्म लेने के बाद भी वह एक एक्टर और रजनीकांत के तौर पर लौटना पसंद करेंगे। उन्होंने यह सम्मान उस बड़ी फिल्म कम्युनिटी को समर्पित किया जिसने उनका साथ दिया- तमिल लोगों को, जिन्हें उन्होंने भगवान की शक्ति कहा जिसने उन्हें जिंदगी के हर मोड़ पर सहारा दिया।

रजनीकांत की अपकमिंग फिल्में

इंडस्ट्री में उनके पचास साल के सफर का जश्न मनाया जा रहा है वहीं रजनीकांत अपनी अगली फिल्मों की लिस्ट में पहले से ही पूरी तरह से बिजी हैं। उनके आने वाले प्रोजेक्ट जेलर 2 ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है, जिसमें नेल्सन दिलीप कुमार 2023 की बड़ी हिट फिल्म के अगले हिस्से को डायरेक्ट करने के लिए वापस आ रहे हैं। रजनीकांत टाइगर मुथुवेल पांडियन के अपने रोल को फिर से निभाएंगे, जबकि राम्या कृष्णन एक बार फिर स्क्रीन पर उनकी पार्टनर के तौर पर दिखेंगी।

जेलर 2 के अलावा, रजनीकांत की अगली स्टैंडअलोन फीचर फिल्म की तैयारी जारी है, जिसे फिलहाल थलाइवर 173 कहा जा रहा है। इस फिल्म में उनके साथ कमल हासन के होने की खबर मिलने से ऑडियंस और भी ज्यादा उत्सुक हैं। उनकी लगातार पॉपुलैरिटी और उनके आगे के बिजी कैलेंडर से पता चलता है कि स्टार की क्रिएटिविटी अभी भी कम नहीं हुई है।एक्टर ने फिल्मों में आने से पहले बस कंडक्टर के तौर पर शुरुआत की थी, उनका सफर किसी इंस्पायरिंग कहानी से कम नहीं रहा है। ईफी में यह सम्मान न सिर्फ पिछली कामयाबियों को मानने का मौका है, बल्कि एक ऐसे आर्टिस्ट का जश्न भी है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए खुद को तराशता रहता है।

सनी देओल से जुड़ने जा रही दीपिका पादुकोण की रिश्तेदारी? देओल परिवार की बहू के भाई की दुल्हन बनेंगी बहन अनीशा

दीपिका पादुकोण की बहन अनीशा पादुकोण यूं तो लाइमलाइट से दूर ही रहती हैं, लेकिन इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। चर्चा है कि अनीशा जल्दी ही अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन आचार्य से शादी करने जा रही हैं,जिनका देओल परिवार से खास रिश्ता है।

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं और इन दिनों वह अलग-अलग वजहों से चर्चा में हैं। एक तरफ जहां अपनी 8 घंटे शिफ्ट की डिमांड के चलते दीपिका कई बड़े प्रोजेक्टस से हाथ धो बैठी हैं तो वहीं कई नई फिल्मों में उन्हें एंट्री भी मिल गई है। इस बीच दीपिका पादुकोण की बहन अनीशा पादुकोण की शादी की खबरें भी जोरों पर हैं। जी हां, चर्चा है कि दीपिका की बहन जल्दी ही अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन आचार्य के साथ शादी के बंधन में बंधन में वाली हैं और इसी के साथ दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह, सनी देओल के रिश्तेदार भी बन जाएंगे।

कौन हैं रोहन आचार्य?

अनीशा के बॉयफ्रेंड रोहन आचार्य की बात करें तो वह फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकिन बड़े फिल्मी घराने से ताल्लुक रखते हैं। वह लेजेंड्री फिल्ममेकर बिमल रॉय के परपोते यानी ग्रेट-ग्रैंडसन हैं। उनकी मां चिमू आचार्य, बिमल राय की बेटी रिंकी रॉय भट्टाचार्य की बेटी हैं। यानी, बिमल रॉय, रोहन के परनाना हुए और सनी

देओल की बहू और करण देओल की पत्नी दृशा आचार्य रोहन की बहन हैं। तो अगर अनीशा और रोहन शादी के बंधन में बंधते हैं तो दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह, सनी देओल के रिश्तेदार बन जाएंगे। दीपिका और रणवीर हाल ही में धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे।

फिल्मों से दूर हैं अनीशा पादुकोण

अनीशा की बात करें तो वह फिल्मी पर्दे और लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं। वह एक गोल्फर हैं और अपने पेरेंट्स प्रकाश पादुकोण और उज्जला पादुकोण के साथ बैंगलुरु में रहती हैं। अनीशा और रोहन दोनों ही अपनी लाइफ को लेकर बेहद प्राइवेट हैं और अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखना पसंद करते हैं। फिलहाल, पादुकोण फैमिली की ओर से इस शादी को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अनीशा और रोहन की शादी के चर्चे जरूर जोरों पर हैं।

रणवीर बने मैचमेकर?

अनीशा और रोहन एक-दूसरे को कई साल से जानते हैं। खास बात तो ये है कि रोहन को दीपिका और रणवीर दोनों ही इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं। डैक्कन क्रोनिकल की रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर सिंह के पेरेंट्स और रोहन के पिता सुमित आचार्य दोनों ही करीबी दोस्त हैं। रणवीर की फैमिली गैदरिंग के दौरान ही अनीशा और रोहन की मुलाकात हुई। दोनों में दोस्ती हुई और फिर ये दोस्ती प्यार में बदल गई। जहां 34 साल की अनीशा प्रोफेशनल गोल्फर हैं तो वहीं रोहन अपने पिता की ट्रैवेल एजेंसी के बिजनेस में काम करते हैं।

एक रोल पाने के लिए इस हद तक चली गई थीं जीनत अमान

जीनत अमान का इंस्टा हैंडल उनकी पुरानी कहानियों से भरा हुआ है। एक्ट्रेस अक्सर कई ऐसी स्टोरीज शेयर करती हैं जो फैंस को उन खूबसूरत दिनों की याद दिलाते हैं। एक समय एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म सत्यम, शिवम, सुंदरम से ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया जिसके जरिए उन्होंने राज कपूर के सामने अपनी इमेज बदलने की भरपूर कोशिश की थी।

जीनत ने खूबसूरत दिनों को किया याद

जीनत ने साल 1978 में आई फिल्म सत्यम, शिवम, सुंदरम में रूपा का रोल निभाया था। उस समय जीनत की इमेज एक बोल्ड एक्ट्रेस की थी जो छोटी स्कर्ट पहनती है, शराब आदि का नशा करती है आदि। लेकिन वो रूपा का रोल करना चाहती थी जिसके लिए वो हर तरीके से राज कपूर को इंप्रेस करना चाहती थीं। जीनत ने एक इंस्टा पोस्ट शेयर करके फैंस के साथ ये शेयर किस्सा किया।

राज कपूर कर रहे थे इग्नोर

उन्होंने लिखा,दिसंबर में हम राज कपूर की 100वीं जयंती मनाएंगे। मैंने अनगिनत बार यह कहानी दोहराई है कि कैसे उन्होंने मुझे सत्यम शिवम सुंदरम में रूपा के रोल के लिए कास्ट किया, लेकिन यह इंस्टाग्राम के लिए है। मेरे करियर का एक खास किस्सा। यह 1981 की बात है हम वकील बाबू की शूटिंग कर रहे थे। राजजी (राज कपूर)टाइटल रोल कर रहे थे, जबकि उनके छोटे भाई शशि कपूर और मैं एक-दूसरे के लव इंटरेस्ट के तौर पर लीड रोल निभा रहे थे। टेक के बीच, जब टेक्नीशियन सेट बदल रहे थे और लाइट ठीक कर रहे थे, तो हम कास्ट मेंबर्स के पास अक्सर टाइम होता था। उस समय वो अपनी फिल्म सत्यम शिवम सुन्दरम के लिए एक्ट्रेस की तलाश में थे। उन्होंने एक बार भी इशारा नहीं किया कि मैं ये रोल कर लूं जबकि मैं इसे करना चाहती थी।

एक्ट्रेस ने क्या अपनाया पैतरा?

जीनत ने आगे कहा- मुझे कास्ट करने में उनकी दिलचस्पी न होने से मुझे चिढ़ होने लगी। मुझे पता था कि मिनी स्कर्ट और बूट्स के साथ मेरी मॉडर्न इमेज ही इसकी वजह है। इसलिए मैंने मामले को अपने हाथ में लेने का फैसला किया। मैंने घाघरा, चोली पहनी और अपने मन में बनाई रूपा की इमेज के अनुसार तैयार होकर उनके घर चल दी। तब वहां उनके दाहिने हाथ माने जाने वाले जॉन ने मेरा स्वागत किया और कहा - 'साबजी को कहो कि रूपा आई है। मुझे ये सुनकर बहुत खुशी हुई।

भांग खाने के बाद 8 घंटे तक हंसता रहा बॉलीवुड एक्टर

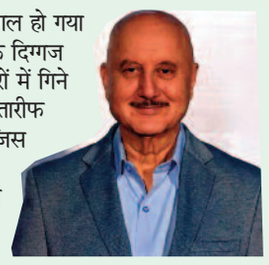

मारिजुआना ट्राई करने पर बोला...मैं पागल हो गया थाअभिनय और निर्देशन में अव्वल एक दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर बेबाक कलाकारों में गिने जाते हैं। बड़े पर्दे पर उनके काबिल-ए-तारीफ अभिनय का कोई जवाब नहीं है। वह जिस तरह पर्दे पर अपने किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करते रहते हैं, निजी जिंदगी में भी यह सिलसिला चलता रहता है।हाल ही में, अनुपम खेर ने एक किस्सा शेयर किया है जो अब वायरल हो गया है। एक्टर ने बताया कि उन्होंने एक बार मारिजुआना और भांग ट्राई किया था जिसके बाद उनकी हालत ऐसी हो गई थी कि उन्होंने कसम खा ली थी कि वह दोबारा इसे नहीं खाएंगे।

मारिजुआना ट्राई करने के बाद ऐसी हो गई थी हालत

अनफिल्टर्ड बाय समदिश के साथ बातचीत में 70 साल के अनुपम खेर ने मारिजुआना ट्राई करने का किस्सा शेयर किया है। उन्हंने बताया, मुझे लगता है कि मैंने दो कश लिए होंगे और फिर मैंने आसमान की तरफ देखा। एयरपोर्ट से कोई प्लेन उड़ान भर चुका होगा, इसलिए मैंने उसे देखना शुरू कर दिया। मैं उसे तब तक देखता रहा जब तक वह आसमान में एक छोटा सा बिंदु नहीं बन गया। मुझे लगता है कि मैं उसे तब तक देखता रहा जब तक वह हीथ्रो एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर गया। अनुपम खेर ने आगे कहा, मैं पागल हो गया था। उसी दिन जब मैं अपनी कार में बैठा तो मुझे लगा जैसे सड़क हिल रही है या कार चल रही है।

खेल-समाचार

डेल स्टेन ने चुनी भारत-साउथ अफ्रीका की कंबाइंड प्लेइंग 11

रोहित-कोहली को जगह तो अपने देश के कप्तान को कर दिया बाहर

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैच की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को खेला जाएगा...सीरीज शुरू होने से पहले साउथ अफ्रीका के दिग्गज डेल स्टेन ने भारत-साउथ अफ्रीका की कंबाइंड प्लेइंग 11 चुनी है...

रांची,29 नवम्बर 2025। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज से पहले कंबाइंड इलेवन चुनी है, जिसमें साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा को शामिल नहीं किया। दोनों देशों के बीच पहला मैच रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में रविवार को खेला जाएगा। साउथ अफ्रीकी दिग्गज का मानना है कि दोनों टीमों की कंबाइंड इलेवन चुनना एक मुश्किल काम था, क्योंकि दोनों टीमों के पास बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं।

डेल स्टेन ने किस किसको प्लेइंग 11 में चुना?

स्टारस्पोर्ट्स की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए एक वीडियो में जब स्टेन से टीम चुनने के लिए

कहा गया, तो उन्होंने कहा, दोनों टीमों को मिलाना मुश्किल है। दोनों टीमों के पास बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं। निश्चित रूप से किसी को बाहर होना पड़ेगा, लेकिन रोहित बैटिंग और क्विंटन डी कॉक ओपनिंग करेंगे। विराट कोहली नंबर तीन पर, तिलक वर्मा नंबर चार पर, केएल राहुल नंबर पांच पर, और ब्रेविस नंबर छह पर होंगे। इनके अलावा, रविंद्र जडेजा, जानसेन, कुलदीप, अर्शदीप और लुंगी एनगिडी इस टीम में होंगे।डेल स्टेन द्वारा चुनी गई भारत-साउथ अफ्रीका की कंबाइंड इलेवन- रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल, डेवाल्ड ब्रेविस, रविंद्र जडेजा, मार्को जानसेन, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और लुंगी एनगिडी को स्थान दिया गया है।

टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका से 2-0 से हारा भारत

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवाने के बाद भारत तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज में मेहमान टीम का सामना करेगा। इसके बाद पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज भी खेली जाएगी।

शुभमन गिल वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं है...

इस सीरीज में कप्तान शुभमन गिल नहीं खेल रहे हैं। वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। उनके स्थान पर केएल राहुल को टीम इंडिया की कमान सौंपी गई है। साउथ अफ्रीका की कमान टेंबा बावुमा संभालेंगे। विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर क्रिकेट मैदान पर नजर आएंगे। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें 30 नवंबर को रांची में वनडे सीरीज का पहला मैच खेलेंगी। इसके बाद 3 दिसंबर को दोनों देश रायपुर में आमने-सामने होंगे। 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में सीरीज का तीसरा मैच खेला जाएगा।

मनिका बत्रा,मानव ठक्कर आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप 2025 में भारत की अगुवाई करेंगे...

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2025। भारत की तीन बार की ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता मनिका बत्रा और मानव ठक्कर रविवार से चीन के चेंगदू में शुरू होने वाले आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप 2025 में भारत की आठ सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम में आकाश पाल, साथियान ज्ञानसेकरन, पायस जैन, दीया चितले, यशस्विनी घोरपड़े और स्वास्तिका घोष शामिल हैं। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, मिश्रित टीम टेबल टेनिस प्रारूप का एल.ए. 2028 ओलंपिक में पदार्पण होने वाला है, इसलिए इस वर्ष की चैंपियनशिप का विशेष महत्व है। 2025 आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण होगा, जिसकी मेजबानी चेंगदू लगातार तीसरे वर्ष करेगा। सिचुआन जिम्नेजियम एक बार फिर इस आयोजन की मेजबानी करेगा, जैसा कि पिछले वर्षों में भी हुआ है। मेजबान चीन ने पिछले दोनों संस्करणों में जीत हासिल की थी, जबकि कोरिया गणराज्य उपविजेता रहा था। मनिका और मानव के अलावा, ओलंपियन साथियान गणानाशेखरन भी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों के दल का हिस्सा हैं, जो अगले सप्ताह चेंगदू में खेलेंगे। आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम- भारतीय टेबल टेनिस टीम- मानव ठक्कर (पुरुष), आकाश पाल (पुरुष), साथियान ज्ञानसेकरन (पुरुष), पायस जैन (पुरुष), मनिका बत्रा (महिला), दीया चितले (महिला), यशस्विनी घोरपड़े (महिला), स्वास्तिका घोष (महिला)।

इंडिया ने कनाडा को 14-3 से हराकर सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में जगह बनाई

क्वालालाम्पुर,29 नवम्बर 2025। मलेशिया में हो रहे सुल्तान अज़लान शाह कप में अच्छा खेल रही इंडियन हॉकी टीम फाइनल में पहुंच गई है। लीग स्टेज से ही गोलों की बारिश से अपोनेंट्स को रोक रही टीम इंडिया ने कनाडा को बड़े अंतर से हरा दिया। शनिवार को हुए सेमीफाइनल में डिफेंडर्स और फॉरवर्ड्स ने एक टीम के तौर पर अच्छा परफॉर्म किया और अपोनेंट को 14-3 से हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार टाइटल फाइट में एंट्री की। पांच बार जीत चुकी टीम इंडिया रविवार को ट्रॉफी के लिए बेल्जियम से भिड़ेगी।

इंडिया ने एकतरफा सेमीफाइनल में कनाडा को 14-3 से हराया। शनिवार को मैच के चौथे मिनट में नीलकंठ शर्मा ने गोल किया। इसके थोड़ी देर बाद राजेंद्र सिंह ने भी गोल किया। जब टीम इंडिया 2-0

से आगे थी, तब कनाडा के प्लेयर ब्रेंडन गुरलिक ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। हालांकि, फॉरवर्ड जुगुराज सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल करके अपोनेंट को चौंका दिया और इंडिया ने पहले हाफ में 4-1 की लीड ले ली। टीम इंडिया के प्लेयर्स ने दूसरे क्वार्टर में भी अपना दम दिखाया। भले ही कनाडा ने तीसरे हाफ में एक और गोल किया... इंडिया पहले ही 9-2 से आगे था। संजय ने 56वें मिनट में, अभिषेक ने 57वें और 59वें मिनट में दो गोल किए। इसके साथ ही.. इंडिया ने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में एंट्री कर ली। हरमनप्रीत सिंह सेना, जिसे लीग स्टेज में बेल्जियम से हार मिली थी, उस हार का बदला लेने के लिए तैयार है। इंडिया, जिसने 1985, 1991, 1995, 2009 और 2010 में चैंपियन के तौर पर कप जीता था, 2008, 2016 और 2019 एडिशन में रनर-अप रहा।

भारतीय नौसेना ने हितेश गुलिया और कोच सुरंजय सिंह को विश्व मुक्केबाजी कप जीत के लिए सम्मानित किया

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2025। भारतीय वेल्टरवेट मुक्केबाज हितेश गुलिया और उनके कोच सुरंजय सिंह को भारतीय नौसेना के एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, नौसेना प्रमुख (सीएनएस) द्वारा ब्राजील और कजाकिस्तान में मुक्केबाजी विश्व कप में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और भारत में फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने के लिए सम्मानित किया गया। हितेश ने ग्रेटर नोएडा में हुए विश्व मुक्केबाजी कप फ़ाइनल में पुरुषों की 70 किग्रा भार वर्ग में कज़ाकिस्तान के नूरबे क मुर्सल को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले अप्रैल में, हितेश मुक्केबाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने

कज़ाकिस्तान में दूसरे चरण में रजत पदक जीता और फिर फ़ाइनल में भी स्वर्ण पदक जीता। भारतीय नौसेना ने एक एक्स पोस्ट में घोषणा की कि दिनेश कुमार त्रिपाठी ने हितेश और उनके बेटे सुरंजय को 2025 विश्व मुक्केबाजी कप श्रृंखला में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। हितेश ने ब्राज़ील और कज़ाकिस्तान में स्वर्ण और रजत पदक जीते और विश्व मुक्केबाजी कप फ़ाइनल में स्वर्ण पदक जीता। नौसेना ने इन उपलब्धियों को गर्व का स्रोत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों में उनकी जगह का प्रमाण बताया।

भारतीय नौसेना ने पोस्ट में कहा, ÷हितेश गुलिया, पीओ एलओजी, और उनके कोच एम सुरंजय सिंह एमसीपीओ (पीटी) को एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी,सीएनएस द्वारा विश्व मुक्केबाजी कप श्रृंखला 2025 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। हितेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन - ब्राजील और कजाकिस्तान में मुक्केबाजी विश्व कप में स्वर्ण और रजत, उसके बाद भारत में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल (नवंबर 2025) में स्वर्ण - उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोगों में स्थापित करता है - भारतीय नौसेना के लिए असाधारण गर्व का क्षण। नौसेना ने कहा कि नौसेना प्रमुख ने हितेश को उनकी उत्कृष्ट वैश्विक उपलब्धि के लिए बधाई दी और कोच सुरंजय सिंह की उनके मार्गदर्शन और प्रतिबद्धता के लिए सराहना की तथा कहा कि उनकी सफलता खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और भविष्य के नौसेना एथलीटों को प्रेरित करने के लिए नौसेना के समर्पण को उजागर करती है। पोस्ट में आगे लिखा है,सीएनएस ने युवा मुक्केबाज़ को वैश्विक मंच पर उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी और कोच सुरंजय की उनके मार्गदर्शन और समर्पण की सराहना की। उनकी सफलता एक बार फिर खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और नौसेना के अगली पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरित करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

DGP/IGP कॉन्फ्रेंस : पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने सुरक्षा प्रणाली पर गहन चर्चा की

रायपुर,29 नवम्बर 2025। रायपुर में आयोजित DGP/IGP कॉन्फ्रेंस के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत के सिक्योरिटी सिस्टम के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की। यह कॉन्फ्रेंस देशभर के पुलिस प्रमुखों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है,जहां वे अपने अनुभव साझा करते हैं, बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन पर विचार-विमर्श करते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर रणनीतियाँ तैयार करते हैं। कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले अधिकारियों ने कहा कि यह फोरम सुरक्षा से जुड़े सभी अहम क्षेत्रों को कवर करता है। इसमें साइबर सुरक्षा, आतंकवाद रोकथाम, कानून और व्यवस्था बनाए रखना,लोक सुरक्षा की नई तकनीकों का उपयोग और जनसंपर्क सुधार जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में सुरक्षा बलों की मेहनत,समर्पण और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दी गई सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा हर नागरिक की प्राथमिकता होनी चाहिए और पुलिस अधिकारियों को आधुनिक तकनीक और डेटा-ड्रिवन एप्रोच अपनाने की आवश्यकता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कॉन्फ्रेंस में भाग लिया और देश में सुरक्षा ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए विभिन्न सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों को डिजिटल टूल्स और इनोवेशन को अपनाकर अपराध रोकने और अपराधियों तक त्वरित पहुँच सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बेस्ट प्रैक्टिस साझा करने से न केवल राज्यों के बीच सहयोग बढ़ता है, बल्कि एक साझा रणनीति तैयार करने में भी मदद मिलती है। कॉन्फ्रेंस के दौरान DGPs और IGPs ने अपने राज्यों की सफल पहलों,अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग में नवाचार को प्रस्तुत किया। इसमें रियल-टाइम निगरानी, ड्रोन टेक्नोलॉजी,डेटा एनालिटिक्स आधारित अपराध रोकथाम,और सोशल मीडिया निगरानी जैसे पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि लगातार अपडेट और नई तकनीक के इस्तेमाल से ही पुलिसिंग अधिक प्रभावी और नागरिक केंद्रित हो सकती है। सिक्योरिटी फोरम में आतंकवाद,साइबर अपराध,मानव तस्करी,नशा रोकथाम और भीड़ नियंत्रण जैसी चुनौतियों पर भी विचार किया गया। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य देशभर के पुलिस प्रमुखों को एक साझा मंच देना है, जिससे वे सीख सकें,अपने अनुभव साझा कर सकें और सुरक्षा मामलों में एक दूसरे से सहयोग बढ़ा सकें। इस प्रकार की बैठकें न केवल सुरक्षा उपायों को मजबूत करती हैं, बल्कि पुलिसिंग में नवाचार और दक्षता को भी बढ़ावा देती हैं। अधिकारियों ने कहा कि कॉन्फ्रेंस से उन्हें नई तकनीक, रणनीतियों और प्रक्रियाओं की जानकारी मिली,जिन्हें वे अपने-अपने राज्यों में लागू कर सकते हैं। रायपुर में यह कॉन्फ्रेंस दो दिन तक चलने वाली है और दूसरे दिन भी विभिन्न वर्कशॉप और सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसमें अपराध रोकथाम,डेटा एनालिटिक्स, कानून व्यवस्था और पुलिसिंग में आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल पर और भी गहन चर्चा होगी।

इस फोरम को देश के पुलिसिंग क्षेत्र में एक मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि यह अधिकारियों को आधुनिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर निर्णय लेने,नई तकनीक अपनाने और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करता है।

छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का अब अंत करीब, निर्णायक जीत की बड़ी घोषणा डेडलाइन से पहले संभव : आईजी

रायपुर,29 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का अब अंत करीब माना जा रहा है। इस निर्णायक जीत की बड़ी घोषणा अब तय की गई डेडलाइन से पहले कभी भी संभव हो सकती है। बस्तर रेंज के आईजी ने कहा कि बस्तर से लाल आतंक के खात्मे का स्पेशल मैप और कैंप स्थापित होने से बड़ा बदलाव शुरू हुआ, जिसका परिणाम सबके सामने आ रहा है। संपूर्ण भारत में पिछले छह दशकों से नक्सल नेटवर्क 180 जिलों तक फैला था, इसमें सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित राज्य छत्तीसगढ था। इसमें भी केरल राज्य से बड़े भूभाग में विस्तारित बस्तर संभाग के वन आच्छदित इलाके देश भर के नक्सलियों के सबसे सुरक्षित पनाहगाह थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2014 से पहले तक 125 जिले नक्सल प्रभावित थे, जो पिछले 11 साल में सिमटकर 11 जिलों तक सीमित हो चुके हैं। यह आंकड़ा भी अब पुराना हो चुका है, वर्तमान में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के अब मात्र तीन जिलों तक नक्सवाद के सिमटने की बात कही जा रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने शनिवार को बताया कि अब पूरे बस्तर संभाग में हथियार बंद नक्सलियों की संख्या 120 से 150 के बीच ही शेष बची है। पिछले छह दशक से विस्तारित नक्सलवाद का अब अंत करीब दिख रहा है। अब देश निर्णायक जीत के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़ा है। देश में सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित जिले छत्तीसगढ़ में अब लगभग सभी बड़े नक्सली कैडर खत्म हो चुके हैं। नक्सलियों के सुप्रीम लीडर बसवा राजू के मारे जाने के बाद से संगठन ताश के पत्तों की तरह बिखरता दिख रहा है। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, और झारखंड के प्रभावित जिलों में शांति बहाली पर तेजी से काम हो रहा है। डेडलाइन से पहले भी बड़ी घोषणा संभव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनवरी 2024 को छत्तीसगढ़ आकर एक डेडलाइन तय की थी और कहा था कि 31 मार्च 2026 से पहले देश से नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। उस वक्त सबने कहा था कि यह दावा बहुत बड़ा है, लेकिन बीते 23 महीने में केंद्र और देश के नक्सल प्रभावित राज्यों ने लाल आतंक को खत्म करने जिस दृढ़ता से काम किया उसका अब सुखद नतीजा सामने है। उन्होंने कहा कि केंद्र की घोषित समय सीमा जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे-वैसे नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। नक्सल प्रभावित राज्यों के पराक्रमी जवानों ने लगातार आपरेशनों, साहस और रणनीति के दम पर इस हिंसक विचारधारा को घुटनों पर ला दिया है। आई ने कहा कि बस्तर में कभी नक्सली खुलेआम कई-कई दिनों तक हजारों ग्रामीणों को बुलाकर बड़ी-बड़ी आम सभा का आयोजन करते थे।

उच्च स्तरीय जांच में हुआ गड़बड़ी का खुलासा

खरीदी नियमों का उल्लंघन करने वाले 3 बीईओ निलंबित

सक्ती,29 नवम्बर 2025। शिक्षा विभाग ने सक्ती जिले में स्वच्छता सामग्री की खरीदी से जुड़े गंभीर आरोपों की पुष्टि होने पर तीन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कदम उठाए हैं। विभिन्न विकास खण्डों के विद्यालयों में उपयोग के लिए स्वच्छता सामग्री क्रय में अनियमितता की शिकायतों पर उच्चस्तरीय जांच के बाद मामला उजागर हुआ। जिसके बाद डभरा, जैजैपुर और मालखरौदा के विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

घटिया सामग्रियों की हुई खरीदी : संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर के पत्र के माध्यम से प्राप्त जांच प्रतिवेदन में पाया गया कि स्वच्छता सामग्री की खरीद प्रक्रिया में न तो भंडार क्रय नियमों का पालन किया गया, न ही क्रय आदेश की आवश्यक शर्तों का अनुपालन हुआ। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि सामग्री का भौतिक सत्यापन और गुणवत्ता परीक्षण किए बिना ही घटिया तथा निम्न स्तरीय सामग्री खरीद ली गई। जांच में दोषी पाए गए तीनों अधिकारियों श्याम लाल वारे, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, डभरा,व्ही.के. सिदार, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, जैजैपुर, टी.एस. जगत, तत्कालीन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, मालखरौदा इन तीनों पर शासन ने अपने पदीय दायित्वों से घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और वित्तीय नियमों की अनदेखी का आरोप तय कर कार्यवाही की है। शासन ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के सीधे उल्लंघन तथा नियमों के विपरीत गंभीर कदाचार की श्रेणी में माना है। राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1), (क) के तहत इन तीनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। निलंबन काल में तीनों अधिकारियों का मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, सक्ती निर्धारित किया गया है।

मेकाहारा नवजात अपहरण केस में दो महिलाओं को 10 साल कैद,आरोपी युवक बरी

रायपुर,29 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर के मेकाहारा में हुए चर्चित नवजात अपहरण मामले में 10 महीने पुराने केस में अदालत ने रानी साहू और उसकी बेटी पायल साहू को दोषी करार देते हुए 10-10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। वहीं, मामले में शामिल बताए गए युवक को पर्याप्त सबूत न मिलने के कारण कोर्ट ने बरी कर दिया है। घटना 4 जनवरी की है। अस्पताल में भर्ती नीता रात्रे अपनी नवजात बच्ची के साथ वार्ड में थी। इसी दौरान दो महिलाओं ने मरीजों और परिजनों से सहानुभूति जताते हुए बातचीत शुरू की। उन्होंने नीता रात्रे और उनकी सास को यह कहकर भरोसे में लिया कि उनकी बहू की बच्ची की मौत हो गई है। कुछ ही घंटों की नजदीकी का फायदा उठाते हुए लंच टाइम में दोनों महिलाएं मौका देखकर नवजात को उठा ले गईं। अपहरण की जानकारी पर मौदहापारा थाना पुलिस ने जांच शुरु की। जांच के दौरान सूचना मिली कि दो संदिग्ध महिलाएं नवजात को लेकर लोकल ट्रेन से बिलासपुर जा रही हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रेन छूटते ही चेन खींचकर उसे रोका और दोनों महिलाओं को बच्ची के साथ गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने सुनवाई के दौरान माना कि नवजात को बेचने की साजिश स्पष्ट है और आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया।

रायपुर-सरायपाली रोड में आवाजाही हुआ बाधित, छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा के 6 सदस्य गिरफ्तार

महासमुंद,29 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर तुमगांव थाना क्षेत्र में छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा के छह सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. नेशनल हाईवे पेट्रोलिंग के कर्मचारी कमलेश पटेल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि किसान मोर्चा के लोग NHAI की भूमि पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति स्थापित कर रहे थे, जिससे रायपुर-सरायपाली मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही थी. शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने किसानों को समझाइश दी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने मूर्ति स्थापना का प्रयास जारी रखा. इसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए हाईवे पेट्रोलिंग कर्मचारी के आवेदन के आधार पर कार्रवाई की. अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अवरोध कानूनन दंडनीय है।

सीएम साय की तस्वीर से अभद्रता...इन कांग्रेस नेताओं पर एफआईआर दर्ज,वायरल विडियो ने बढ़ाया बवाल

बिलासपुर,29 नवम्बर 2025। बिलासपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की तस्वीर के साथ अभद्रता किए जाने के बाद सियासत गरमा गई है। इस मामले में भाजपा युवा मोर्चा की शिकायत पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी, शहर अध्यक्ष विजय पांडेय और अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि शुक्रवार को भाजपा युवा मोर्चा ने इस घटना के विरोध में अमर अग्रवाल के निवास से रैली निकालते हुए सिविल लाइन थाने का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेसियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की और सीएसपी को ज्ञापन सौंपते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय केशरवानी, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय पांडेय, कांग्रेस कार्यकर्ता सदाब खान सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 190, 191(2), 126(2) और 352 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सीएसपी निमितेष सिंह ने बताया कि वीडियो साक्ष्य के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युवा मोर्चा ने की सख्त कार्रवाई की मांग

भाजपा युवा मोर्चा का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री के पोस्टर के साथ आपत्तिजनक कृत्य किया, जिससे जनभावनाएं आहत हुई हैं। युवा मोर्चा ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का यह कृत्य न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है, बल्कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद का भी अपमान है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में नया बवाल

अमित पठानिया पर दलाली का आरोप

रायपुर,29 नवम्बर 2025। रायपुर के कांग्रेस भवन में 28 नवंबर की रात अज्ञात लोगों ने कुछ पर्चा फेंका। जिसमें युवा कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी अमित पठानिया के खिलाफ लिखा गया था। पर्चे में 'अमित पठानिया मुर्दाबाद' और 'युवा कांग्रेस में संगठन की दलाली बंद करो' जैसे नारे लिखे थे। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि पर्चा किसने फेंका।कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने इसे भाजपा की चाल बताया। उनका कहना है कि अमित पठानिया की बढ़ती सक्रियता से भाजपा घबरा गई है और संगठन को बदनाम करने के लिए ये हरकत की गई है। हालांकि, संगठन के अंदर ही कई लोग मान रहे हैं कि मामला भाजपा का नहीं बल्कि यूथ कांग्रेस की हाल ही में जारी जिलाध्यक्षों की लिस्ट से जुड़ी अंदरूनी नाराज़गी का है। कई कार्यकर्ता अपने या अपने समर्थकों के नाम सूची में शामिल न होने से असंतुष्ट हैं। कुछ नेताओं का कहना है कि जब कुछ महीनों में यूथ कांग्रेस के चुनाव होने ही हैं, तो इतनी जल्दबाजी में लिस्ट जारी करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। कई लोग इसे 'कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाने वाला फैसला' मान रहे हैं।

जेल जाएंगे ऐसे लोग,SIR प्रक्रिया के बीच गृहमंत्री का बड़ा बयान

रायपुर,29 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ समेत 12 राज्यों में चल रही SIR प्रक्रिया को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2003 की मतदाता सूची में जिनके एक भी ब्लड रिलेटिव (परिवार के सदस्य) का नाम नहीं होगा, उनपर फॉरेनर एक्ट और ऐसे बहुत से कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी और जेल भेजा जाएगा।

पत्रकारों से चर्चा के दौरान डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने SIR प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट कहा - 'SIR के लिए जो गणना पत्र घरों में दिया जा रहा है, वह 2025 की मतदाता सूची के आधार पर जनरेटेड है. सूची में शामिल मतदाता के किसी ब्लड रिलेशन वाले का नाम 2003 की मतदाता सूची में होना चाहिए, अवश्य ही होना चाहिए. और अगर नहीं है,तो परीक्षण करना होगा और इससे ऐसे लोग पकड़े जाएंगे,तो फॉरेनर्स एक्ट और ऐसे बहुत सारे कानूनी प्रावधान है, जिनके तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जेल में डाले जाएंगे।' अपने पाठकों हम यहां बताना जरूरी समझते हैं कि फॉरेनर एक्ट किसी भी भारतीय नागरिक के लिए लागू नहीं होता है। यह केवल दूसरे देश से आने वाले लोगों पर लागू होता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)